https://kkrnews.in/

RNI NO MPHIN/2021/82667

सुविचार

देश की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। भारतीय सेना के जवान हमेशा देश की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं।

दैनिक

ख़बरों की रोशनी

KKR NEWS

वर्ष-4 अंक-280 भोपाल, सोमवार 14 जुलाई 2025 पृष्ठ-8 मूल्य 2 रुपय

सरकार प्रवासी उद्यमियों को निवेश के लिये अनुकूल माहौल देगी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर प्रवासी उद्यमियों ने दिए कई निवेश प्रस्ताव सस्टेनेबल सिटी के लिए 1000 करोड़ का निवेश प्रस्ताव विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस का प्रस्ताव

दुबई यात्रा का पहला दिन

भोपाल एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा के पहले दिन भारतीय प्रवासी समुदाय, विशेष रूप से इंदौर से जुड़े उद्यमियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इंदौरी इंटरनेशनल बिजनेस नेटवर्क द्वारा एक विशेष आयोजन किया गया जिसमें 25 से अधिक सीईओ उपस्थित रहे और 15 से अधिक प्रमुख उद्यमियों ने मध्यप्रदेश में निवेश की रूचि दिखाते हुए अपने निवेश प्रस्ताव दिए। वर्तमान में यूएई में 750 से अधिक सदस्यों के साथ एक स्थापित लाइसेंस प्राप्त समुदाय है जिसमें व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर, बैंकर, शिक्षाविद् सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल शामिल हैं। के सदस्यों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को निवेश प्रस्तावों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में की कोर कमेटी के सदस्य श्री अजय कसलीवाल, श्री प्रेम भाटिया, सुश्री अंजू भाटिया, श्री निलेश जैन, श्री मनोज झारिया, श्री नसीर खान और अमित श्रीनिवास ने जानकारी दी कि यूएई में निवासरत इंदौरी प्रवासी निवेश की संभावनाओं को लेकर अत्यंत उत्साहित हैं। उन्हें राज्य सरकार से मिलने वाले मार्गदर्शन और सहयोग को लेकर पूरा विश्वास है।

सस्टेनेबल सिटी के लिए 1000 करोड़ निवेश का प्रस्ताव

इस अवसर पर दुबई में रहने वाले सीए श्री प्रवीण मेहता ने वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए निजी क्षेत्र में 100 करोड़ रुपये की लागत से एक परियोजना और शून्य कार्बन उत्सर्जन वाले सस्टेनेबल सिटी के लिए लगभग 1000 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार भी उन वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए विशेष कार्यक्रम चला रही है, जिनके बच्चे विदेशों में हैं। उन्होंने कहा, अगर आपके बच्चे बाहर हैं, तो हम आपका परिवार हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग और संबंधित कलेक्टर इन वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस का प्रस्ताव

कार्यक्रम में दुबई स्थित फ्यूचर वाइज एजुकेशन की सीईओ सुश्री अंजू भाटिया ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत मध्यप्रदेश में विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस की स्थापना का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि इससे राज्य के विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय डिग्री अपने ही राज्य में प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। श्री प्रेम भाटिया ने बताया कि वे इंदौर से दुबई आने वाले शुरुआती परिवारों में से एक हैं। आज उनकी बदौलत 400 से अधिक परिवार यूएई में रोजगार प्राप्त कर सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रवासी भारतीयों के प्रस्तावों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार प्रवासी उद्यमियों को राज्य में निवेश के लिये हर संभव सहयोग और अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित

बाल देखरेख संस्थाओं में निवासरत बच्चों के स्वास्थ्य प्रशिक्षण एवं दस्तावेज बनवाने के निर्देश

नर्मदापुरम। मिशन वात्सल्य अंतर्गत निगरानी, मूल्यांकन एवं समीक्षा के उद्देश्य से गठित जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति (डीसीडब्ल्यूपीसी) की बैठक शनिवार को अपर कलेक्टर डी.के. सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिले की बाल देखरेख संस्थाओं में निवासरत सभी बच्चों के स्वास्थ्य प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने एवं उनकी नियमित स्वास्थ्य जांच के निर्देश दिए गए। साथ ही संस्थाओं में निवासरत बच्चों के आवश्यक दस्तावेज जैसे जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड आदि बनवाए जाने हेतु संबंधित संस्था प्रमुखों एवं विभागीय अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के पुनर्वास पर भी चर्चा की गई एवं ऐसे बच्चों को विशेष आवश्यकता वाले बच्चों हेतु संचालित बाल देखरेख संस्थाओं में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए, ताकि उनकी देखरेख और विकास में किसी प्रकार की बाधा न आए। बैठक में जिला बाल संरक्षण अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ललित कुमार डेहरिया, उप पुलिस अधीक्षक मोहन सारबान, जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एन.एस. गेहलोत, जिला शिक्षा अधिकारी ए.पी. सिंह बिसेन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से अभय सिंह, जिला श्रम अधिकारी वर्षा इरपाचे, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष शैलेन्द्र कोरव एवं समिति सदस्य श्याम सिंह मीना, अनीता जाट, सारिका कटरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

समेरिटंस के कैडेट्स थल सेना कैंप में होंगे शामिल

नर्मदापुरम। 13 मध्यप्रदेश बटालियन के कमान अधिकारी के मार्गदर्शन में समेरिटंस हायर सेकंडरी स्कूल नर्मदापुरम के चार कैडेट निहाल अहिरवार, केशव श्रीवास्तव, युवराज यादव, वत्सल पांडे थल सेना कैंप में शामिल होंगे। ये सभी कैडेट हवलदार अनिल कुमार के साथ रवाना हो गए हैं। सेकेंड अफसर विजय प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि इन कैडेट्स ने पहले बटालियन स्तर पर सूबेदार मेजर जीवी सिंह, नायब सूबेदार रामवतार सिंह एवं अधिकारियों के सानिध्य में प्रशिक्षण प्राप्त कर किया। थल सेना कैंप में उन्हें सेना एवं फायरिंग, एकता अनुशासन देश सेवा की जानकारी मिलेंगी। चयनित कैडेट्स राष्ट्रीय स्तर पर जाएंगे।उनकी इस उपलब्धि पर संस्था के डायरेक्टर डा.आशुतोष शर्मा, प्राचार्य प्रेरणा रावत, एनसीसी मैनेजर प्रदीप कुमार यादव, एनसीसी अधिकारी स्नेहा उपाध्याय ने खुशी जाहिर कर शुभकामनाएं दी।

सेठानी घाट से माँ नर्मदा का जल भरकर भोपाल के बाबा बटेश्वर महादेव का अभिषेक करेंगे कावड़िये

कावड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर समिति की बैठक हुई आयोजित

नर्मदापुरम। सेवा का संकल्प जन कल्याण समिति 26 जुलाई को नर्मदापुरम से भोपाल तक विशाल कावड़ यात्रा निकालेगी। कावड़ यात्रा में कावड़िये नर्मदापुरम से नर्मदा का जल भरकर पुराने भोपाल स्थित बाबा बटेश्वर महादेव मंदिर तक जाएंगे यहां सभी भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करेंगे। इस कावड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर रविवार को यात्रा संयोजक चेतन भार्गव के मार्गदर्शन में स्थानीय सर्किट हाउस में बैठक आयोजित हुई। बैठक में कावड़ यात्रा संबंधी सभी तैयारियों की समीक्षा हुई एवं समिति सदस्यों को व्यवस्था संबंधी आवश्यक जिम्मेदारियां भी सौंपी गई। यात्रा संयोजक श्री भार्गव ने बताया कि 25 जुलाई को भोपाल से अमरकंटक एक्सप्रेस से सैकड़ों कांवड़िए नर्मदापुरम पहुंचेंगे यहां जगदीश मंदिर धर्मशाला में रात्रि विश्राम करेंगे। 26 जुलाई को सुबह सेठानी घाट पर माँ नर्मदा का पूजन कर जल भरकर कांवड़िए भोपाल के लिए रवाना होंगे। कावड़ यात्रा नर्मदापुरम के सेठानी घाट से शहर के सराफा चौक , न्यू जयस्तंभ चौक , सातरास्ते होते हुए ओवरब्रिज तिराहे से बुदनी के लिए रवाना होगी। यात्रा बुधनी , बरखेड़ा , ओबेदुल्लागंज , मंडीदीप , मिसरोद होते हुए पुराने भोपाल स्थित बटेश्वर महादेव मंदिर 28 जुलाई सोमवार को पहुँचेगी यहां माँ नर्मदा के जल से महादेव का अभिषेक होगा। कावड़ यात्रा के दौरान रास्ते में जगह जगह पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण भी किया जाएगा। रविवार को यात्रा तैयारी संबंधी बैठक में नीतेश खंडेलवाल , दीपक महालहा , वंदना दुबे , आशीष सोलंकी , प्रशांत तिवारी , मनीष परदेशी , विजय चौकसे , आनंद साहू , सुंदरम अग्रवाल , सत्या चौहान , प्रदीप श्रीराम , रामगोपाल चौबे , रेखा रघुवंशी , नितिन शर्मा , सोनू दुबे , कमल किशोर साहू , आशीष गुप्ता , एसके पाराशर , संजय तिवारी , भविष्य श्रोती , महेंद्र नामदेव , उदित सोनी , मुकेश संतोरे , अनूप मालवीय , अरविंद धुर्वे , राकेश शुक्ला , कमल गोस्वामी , पंकज सोनी , राजेश प्यासी , नितिन शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे ।

कोचिंग सेंटर कल्चर खतरनाक, यह बच्चों के विकास में रुकावट पैदा कर रहा : धनखड़

कोटा,(ईएमएस)। कोटा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोचिंग सेंटर कल्चर राष्ट्रीय एजुकेशन पॉलिसी के खिलाफ है। यह कल्चर खतरनाक है। कोचिंग सेंटर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को फॉलो नहीं कर रहे हैं। ये उच्च दबाव के क्षेत्र में है, जो बच्चों के विकास में रुकावट पैदा करते हैं। विशेषकर कोटा का युवा यहां के कोचिंग सेंटर की वजह से आगे देखने में असमर्थ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रानपुर स्थित ट्रिपल आईटी के दीक्षांत समारोह में शनिवार को उपराष्ट्रपति ने कहा कि मैं आश्वस्त हूं कि यह हमेशा के लिए नहीं है। समय बदलेगा और बड़ी संख्या में लोगों के माइंडसेट को बदलने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान के शिक्षा मंत्री यहां मौजूद मैं कहना चाहूंगा कि स्कूल-कॉलेज में स्टूडेंट्स की संख्या ज्यादा बढ़े, ऐसी पॉलिसी पर विचार करना चाहिए। धनखड़ ने शिक्षा को फैक्ट्री की तरह संचालित करने की प्रवृत्ति का विरोध करते हुए कहा कि हमें इस असेंबली-लाइन संस्कृति को समाप्त करना होगा, क्योंकि यह हमारी शिक्षा के लिए खतरनाक है। उन्होंने कोचिंग सेंटरों की ओर से विज्ञापनों पर भारी खर्च की आलोचना की और कहा कि विज्ञापन और होर्डिंग्स पर भारी पैसा बहाया जाता है। यह पैसा उन छात्रों से आता है, जो कर्ज लेकर या बड़ी कठिनाई से अपनी पढ़ाई करते हैं। यह पैसे का उपयुक्त उपयोग नहीं है। ये विज्ञापन भले ही आकर्षक लगे लेकिन हमारी आत्मा के लिए आंखों की किरकिरी बन गए हैं। उप राष्ट्रपति ने कहा कि हम गुरुकुल की बात कैसे न करें? हमारे संविधान की 22 दृश्य-प्रतिमाओं में एक गुरुकुल की छवि भी है। हम सदैव ज्ञान-दान में विश्वास रखते हैं। कोचिंग सेंटर को अपने ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में परिवर्तित करने के लिए करना चाहिए। उन्होंने लोगों, समाज और जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि इस समस्या की गंभीरता को समझें और शिक्षा में आत्म नियंत्रण लाने के लिए एकजुट हों। डिजिटल युग में बदलती वैश्विक शक्ति संरचनाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा- 21वीं सदी का युद्ध क्षेत्र अब भूमि या समुद्र नहीं है। पारंपरिक युद्ध अब अतीत की बात हो गई है। आज हमारी शक्ति और प्रभाव 'कोड, क्लाउड और साइबर' से तय होते हैं। समारोह में 189 स्टूडेंट्स को डिग्रियां दी गई। अंकुर अग्रवाल को कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और ध्रुव गुप्ता को इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में गोल्ड मेडल दिया गया। इससे पहले संस्थान में उपराष्ट्रपति ने एक पेड़ पिता के नाम और एक पेड़ मां के नाम लगाया।

सुरीला नर्मदापुरम संगीत कार्यक्रम में अपने परिवार के साथ पार्क घूमने आए लोग बने गायक

नए पुराने फिल्मों गीतों से शाम हुई सुरीली

नर्मदापुरम। नर्मदापुर युवा मंडल द्वारा फन,म्यूजिक और मस्ती के लिए सुरीला नर्मदापुरम कार्यक्रम में रविवार शाम को गीत संगीत के नए पुराने फिल्मों गानों ने जमकर समा बांधा। रविवार शाम को नेहरू पार्क में अपने परिवार के साथ आए लोगों ने कुछ पल मनोरंजन के साथ सुरीले होकर बिताए। आहूजा म्यूजिक ग्रुप के कलाकारों के साथ पार्क में पहुंचे संगीत प्रेमियों ने भी अपनी आवाज में पुराने नगमे गुनगुनाएं। सुरीला नर्मदापुरम कार्यक्रम प्रति रविवार आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की पूजन के साथ हुई। यह कार्यक्रम स्थानीय कलाकारों को संगीत का एक प्लेटफॉर्म देने के लिए है। आहूजा म्यूजिकल ग्रुप के संचालक प्रकाश आहूजा सहित सूरज तलरेजा, आनंद मोहन शुक्ला, हरीश मांझी, वैभव सन्तोरे, वासुदेव सेन, पंकज दुबे, प्रशांत श्रीवास, रिया मखीजा, निकिता वरयानी , दीपक राज , संजय रायकवार , कमल झा ने अपने गीतों से शाम सुरीली कर दी। संचालन प्रकाश गुप्ता लारा ने किया। कार्यक्रम के अंत में नर्मदापुर युवा मंडल अध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल , दीपक हेमनानी , मनीष परदेशी , कमलराव चव्हाण , लोकेश व्यास , प्रशांत कन्नौजिया , आशीष वर्मा ने सभी कलाकारों का स्वागत सम्मान किया।

पर्यटन की नई उड़ान भरने को तैयार तामिया

कलेक्टर श्री सिंह एवं सीईओ श्री कुमार के साथ भोपाल से पहुंची टीम ने बनाई विस्तृत कार्ययोजना

हर्रई छिंदवाड़ा दैनिक अखबार खबरो की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ प्रियंक सोनी की रिपोर्ट। छिन्दवाड़ा जिले के प्रमुख पर्यटन क्षेत्र तामिया को पर्यटन के क्षेत्र में नया स्वरूप देने और अधिकाधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से आज एक महत्वपूर्ण कार्ययोजना बनाई गई। कलेक्टर श्री शीले-?द्र सिंह की पहल पर भोपाल से आई पर्यटन विभाग की टीम ने तामिया का दौरा किया। टीम में एग्जीक्यूटिव इंजीनियर सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी शामिल थे। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री अग्रिम कुमार भी उपस्थित रहे। तामिया रेस्ट हाउस परिसर होगा संपूर्ण रूप से विकसित- इस कार्ययोजना के अंतर्गत तामिया रेस्ट हाउस परिसर को होलिस्टिक रूप से विकसित करने की योजना तैयार की गई है। यहाँ पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी और इसे एक आकर्षक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही पुराने इंटरप्रिटेशन सेंटर को भी नया स्वरूप देकर आधुनिक पर्यटन गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। इंटरप्रिटेशन सेंटर बनेगा आकर्षण का केंद्र - तामिया स्थित पुराने पर्यटन इंटरप्रिटेशन सेंटर को आधुनिक रूप में विकसित करने की रूपरेखा तैयार की गई है। इसे नया आकार देकर दीदी कैफे, रेस्टोरेंट, चिल्ड्रन एक्टिविटी जोन जैसी सुविधाएँ जोड़ी जाएंगी। साथ ही छत पर एस्ट्रोनॉमी हब और प्लैनेटेरियम की स्थापना की योजना भी बनाई गई है। लोक कला और इतिहास को मिलेगा मंच - इंटरप्रिटेशन सेंटर में ओपन एयर थिएटर विकसित किया जाएगा, जहाँ स्थानीय लोकनृत्य, आदिवासी प्रदर्शन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके अलावा लेजर लाइट शो के माध्यम से तामिया और छिंदवाड़ा की ऐतिहासिक गाथा को दिखाया जाएगा। महिलाओं को मिलेगा रोजगार इस पहल से स्थानीय ट्राइबल स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को कैफे संचालन, हस्तशिल्प बिक्री और अन्य गतिविधियों में रोजगार मिलेगा, जिससे ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा मिलेगा। जल्द ही इस कार्ययोजना पर कार्य शुरू किया जाएगा, जिससे तामिया को एक समग्र पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सके और पर्यटकों को एक नया अनुभव मिल सके। इस पूरी योजना का उद्देश्य तामिया को एक समग्र पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना है, जिससे अधिक से अधिक पर्यटक यहाँ रुकें, आनंद लें और छिंदवाड़ा को पर्यटन के नक्शे पर एक नई पहचान मिले

कृषि विभाग की खोज नया रियलिटी शो सिर्फ आठनेर में, जीतिए 11 रुपये और सरकारी नींद की ताली

अतिक्रमण एक्सप्रेस आठनेर से बैतूल रोड तक बिना टिकट यात्रा, लेकिन प्रशासन अब भी वेटिंग लिस्ट में!

कमलाकर तायवाड़े बैतूल। बैतूल जिला से गंभीर हास्य संवाददाता की रिपोर्ट अगर आप माउंट एवरेस्ट पर झंडा फहराने, मून पर पानी खोजने या सरकारी दफ्तर में समय पर कर्मचारी देखने जैसे मुश्किल काम कर चुके हैं, तो आठनेर का कृषि विभाग खोज प्रतियोगिता आपके लिए एक आसान टास्क है! यहां एक गुप्त विभाग है, जिसे ढूंढने वाला अब तक न तो मिला है, और न ही मिला कर लाया गया है।इस खोजी अभियान में भाग लेकर जीत सकते हैं 11 रुपये नकद, वो भी गुमनाम तौर पर, यानी ईनाम मिलेगा लेकिन बताना नहीं किसे मिला!

सड़क नहीं, अतिक्रमण का फैशन रैंप

आठनेर बस स्टैंड से बैतूल रोड, भैंसदेही रोड और मुलताई रोड पर सड़कें नहीं, बल्कि अतिक्रमण की प्रदर्शनी लगी है। हर दुकान ने अपनी दुकानदारी सड़क की गोद में रखी है और हर ठेला ऐसे खड़ा है जैसे विकास के मुँह पर तमाचा मार रहा हो।गाड़ियों को देखकर लगता है जैसे ट्रैफिक नहीं, स्लो मोशन चेस सीन चल रहा हो। पैदल चलना किसी रियलिटी शो से कम नहीं है। लेकिन तहसील, राजस्व विभाग और नगरीय प्रशासन हमने उन्हें देखा थाज आखिरी बारज चुनावों के समय!

तहसीलदार साहब के दर्शन दुर्लभ और दिव्य

लोगों का कहना है कि तहसीलदार साहब शायद नवग्रह शांति यज्ञ में व्यस्त हैं, क्योंकि अतिक्रमण नामक ग्रह से टकराव से बचने के लिए उन्होंने आंखें ही बंद कर रखी हैं। जब उनसे सवाल किया गया कि मुलताई रोड पर अतिक्रमण क्यों है तो जवाब मिला अरे! वो तो लोकेशन ही बदल गया होगा पर!

नगरीय प्रशासन विभाग जब जागे तब सवेरा

इनकी तो बात ही मत करिए। नगर परिषद का कर्मचारी तो इतना व्यस्त है कि गर्मी में पंखा, बरसात में छाता और सर्दी में अलाव तलाशते-तलाशते फाइलें ही गुम हो जाती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एक कर्मचारी तो अब भी पिछले साल की बजट फाइल ढूंढ रहा है, और इसी बहाने 'वर्क फ्रॉम होम' कर रहा है।

अब जनता करेगी कार्यभार संभालने की कोशिश

स्थानीय युवाओं ने ठान लिया है कि अब वे खुद कृषि विभाग खोजो अभियान शुरू करेंगे। एक युवा ने कहा हम नहीं पकड़ पाए, पर अब कृषि विभाग पकड़ेंगे, चाहे तहसील के तहखाने में ही क्यों न छुपा हो!

विशेष सूचना

जल्द ही आठनेर में एक नया मोबाइल गेम लॉन्च किया जाएगा अतिक्रमण एडिशन जिसमें खिलाड़ी को अतिक्रमणों, ठेलों, टूटी सड़कों और नींद में सोए बाबुओं के बीच से रास्ता बनाते हुए कृषि विभाग तक पहुँचना होगा। लीडरबोर्ड में टॉप पर आने वाले को मिलेगा 5 रुपये का पेटीएम कैशबैक और प्रशासन की 'गहरी चुप्पी' का पुरस्कार! आठनेर में व्यवस्था नहीं है, जगह-जगह 'व्यवधान' हैं! अब देखना ये है कि राजस्व विभाग पहले जागता है या जनता खुद उठकर नया नगर पालिका बना लेती है! तब तक, ढूंढते रहिए कृषि विभाग, नींद में अधिकारी और उम्मीदों का पता!

नगर परिषद या डीजल देवता की दरबार

140 लीटर महीनाज विकास कम, धुआं ज्यादा

कमलाकर तायवाड़े बैतूल। जिले की एक नगर परिषद इन दिनों अपने कामों से ज्यादा अपने कारनामों को लेकर चर्चा में है। जिस तरह से रोज नए-नए कामों का प्रचार-प्रसार हो रहा है, उसे देख कर लगता है जैसे परिषद विकास के रथ पर नहीं, डीजल की बुलेट पर सवार हो चुकी है। अब ये प्रचार किसी अच्छी पहल के लिए हो रहा है या कोई भीतरखाने का खेल चल रहा है ये तो कोई जासूस ही बताएगा, लेकिन जनता जरूर पूछ रही है साहब! कुछ तो रहम करो इस खून-पसीने की कमाई पर। नगर परिषद का हाल देखकर लगता है मानो प्रशासन ने आंखों पर पट्टी नहीं, पर्दा डाल रखा है। कोई पूछने वाला नहीं, कोई देखने वाला नहीं। शायद नगर परिषद पर किसी वरिष्ठ सत्ताधारी का आशीर्वाद है, तभी तो खुलकर खेला हो रहा है। अब यहां का नारा नेताजी तुम संघर्ष करो, हम तुम्हारे साथ हैं से बदलकर कुछ ऐसा हो गया है नगर परिषद तुम कुछ भी करो, हम तुम्हें कुछ नहीं होने देंगे! कहा जा रहा है कि परिषद में डीजल बहा कर कोई नई विकास योजना चलाई जा रही है ङ्क 'जलाओ डीजल, फैलाओ धुआं और दिखाओ सपना!' हर महीने लगभग 140 लीटर डीजल की खपत हो रही है। लेकिन किस काम में कागजों में तो शायद बुलेट ट्रेन दौड़ रही है, जमीन पर हकीकत ये है कि नालियों का पानी भी अपने रास्ते खुद बना रहा है। डीजल के इस महासागर में किसी की जेबें भी जरूर लहरें ले रही होंगी। जनता की बात करें तो वो हर महीने बढ़ते टैक्स से हलकान है, और उधर नगर परिषद गाड़ियों की टंकियों को 'विकास का भंडार' समझकर भर रही है। लगता है जैसे नगर परिषद का आदर्श वाक्य बदलकर कुछ ऐसा हो गया है जनता का पैसा, हमारे टैंक में! अब सवाल ये नहीं है कि इतना डीजल जलाया जा रहा है, सवाल ये है कि उसके बदले में लौट क्या रहा है कागजों में परिषद दौड़ रही है, लेकिन हकीकत में हालात ऐसे हैं जैसे नगर परिषद खुद 'लो फ्यूल मोड' में चल रही हो। कहने को तो हर टंकी भरने पर विकास का दम भरा जाता है, लेकिन विकास अभी भी पेट्रोल पंप की लाइन में खड़ा है।जनता

तो अब चुटकी लेती है कहीं ऐसा तो नहीं कि नगर परिषद ने खुद को सरकारी विभाग नहीं, डीजल डीलर मान लिया है लोग कहने लगे हैं विकास का नाम लो, और टंकी फुल करवा लो। काम हो या ना हो, मीटर जरूर दौड़ रहा है।फिलहाल नगर परिषद की गाड़ी धुआं उड़ाते हुए चल रही है, लेकिन जनता अब सवालों की सड़क पर ब्रेक लगाने को तैयार है। अगले हिस्से में बताएंगे, ये डीजल आखिर कहां फूंका जा रहा है, और कैसे कुछ लोग इसकी आड़ में मुफ्त की टंकी, फुल मस्ती का मजा ले रहे हैं। तब तक आप सोचिए कहीं आपके मोहल्ले की गली में भी कोई डीजल परिषद तो नहीं बैठी है।

आगजनी से बड़ा हादसा टला नगर परिषद आठनेर की दमकल टीम ने समय रहते बुझाई आग

वार्ड क्रमांक 9 शांति नगर में मकान में लगी आग, स्कूटी जलकर राख, बड़ा नुकसान होने से बचा

कमलाकर तायवाड़े बैतूल। नगर परिषद आठनेर की दमकल टीम की तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया। रविवार को आठनेर शहर के वार्ड क्रमांक 9 स्थित शांति नगर में सुभाष कनाठे के मकान में अज्ञात कारणों से अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आकर घर में खड़ी एक स्कूटी पूरी तरह जलकर राख हो गई। वहीं सोफा सेट, गैस सिलेंडर और अन्य घरेलू सामान जलने से बाल-बाल बचा।मौके पर सूचना मिलते ही आठनेर नगर परिषद की दमकल टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और तेज़ी से आग पर काबू पाया। यदि समय रहते आग नहीं बुझाई जाती, तो आग फैलकर बड़ा हादसा हो सकता था और जान-माल का गंभीर नुकसान हो सकता था।दमकल टीम में फायर पायलेट राजेश राने, प्रवीण गावंढे, फायर मैन अमित बारस्कर, संदीप मानकर और राजा सिद्दीकी शामिल थे, जिन्होंने बिना समय गंवाए पूरी मुस्तैदी से आग बुझाने का कार्य किया। इनकी तत्परता और समर्पण से क्षेत्र में लोगों ने राहत की सांस ली और दमकल टीम की सराहना की।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि दमकल समय पर नहीं पहुंचती, तो आग आस-पास के घरों तक फैल सकती थी। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, लेकिन एक दोपहिया वाहन पूरी तरह जल गया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है, लेकिन प्राथमिक रूप से शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है।इस घटना ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि फायर ब्रिगेड की तत्परता और तकनीकी दक्षता किसी भी संकट की घड़ी में कितना अहम रोल निभा सकती है।

देवी मंदिर के पास श्रद्धालुओं के लिए मंच निर्माण कार्य आधा अधूरा

वर्ष 2018-19 में स्वीकृत 2 लाख की राशि हुई आहरित, निर्माण आज तक अधूरा सरपंच, सचिव और अधिकारियों पर उठे सवाल

कमलाकर तायवाड़े बैतूल। जिले के विकासखंड आठनेर की ग्राम पंचायत मुसाखेड़ी में मंच निर्माण को लेकर एक बार फिर से सरकारी तंत्र की लापरवाही और भ्रष्टाचार की बानगी सामने आई है। वर्ष 2018-19 में तत्कालीन विधायक श्री निलय डागा द्वारा ग्राम के मरही माय घाट पर स्थित देवी माता मंदिर के पास श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एक मंच निर्माण हेतु दो लाख रुपये की राशि विधायक निधि से स्वीकृत की गई थी। लेकिन आज, करीब पांच साल बीत जाने के बाद भी मंच का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है, जबकि पूरी राशि पंचायत द्वारा आहरित की जा चुकी है।इस राशि का उद्देश्य धार्मिक आयोजनों, भजन संध्याओं और त्योहारों के दौरान श्रद्धालुओं को बैठने की सुविधा देना था। मंच का निर्माण एक पवित्र स्थल ङ्क देवी मंदिर के पास होना था, जिससे ग्रामीणों को सामाजिक और धार्मिक कार्यों में सुविधा मिल सके। लेकिन जिस उम्मीद के साथ राशि स्वीकृत हुई थी, वह आज निराशा में बदल चुकी है। निर्माण स्थल पर आज भी अधूरे खंभे, उखड़ी ईंटें और अधबना ढांचा पड़ा है, जो भ्रष्टाचार की दास्तां खुद-ब-खुद बयां कर रहा है।स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व सरपंच भोजराव उइके और पूर्व सचिव रामराव गणेशे ने मंच निर्माण के नाम पर राशि तो निकाल ली, लेकिन निर्माण कार्य को जानबूझकर अधूरा छोड़ दिया गया। न तो निर्माण पूरा हुआ, न ही ग्रामवासियों को कोई जानकारी दी गई। मामले की गंभीरता तब और बढ़ जाती है जब यह सवाल उठता है कि क्या पंचायत निरीक्षक, उपयंत्री और उस समय के जनपद सीईओ ने कभी स्थल निरीक्षण किया? यदि किया था तो अधूरे कार्य के बावजूद भुगतान की जाँच क्यों नहीं कि गई? और यदि नहीं किया, तो यह उनकी लापरवाही नहीं, बल्कि मिलीभगत का संकेत है।यह पहला मामला नहीं है, जब सरपंच-सचिव की जोड़ी पर निर्माण कार्य में गड़बड़ी के आरोप लगे हों। लेकिन देवी मंदिर जैसे पवित्र स्थल के नाम पर मिली राशि के दुरुपयोग ने ग्रामीणों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। ग्रामीणों का

कहना है कि सरपंच-सचिव की यह करतूत न सिर्फ भ्रष्टाचार का मामला है, बल्कि आस्था के साथ खिलवाड़ भी है।गांव के जागरूक नागरिक अब इस पूरे मामले की जांच की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ से अपील की है कि वे मामले का संज्ञान लेकर जांच करवाएं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। पंचायत निधि का इस प्रकार दुरुपयोग करना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि ग्राम विकास में बाधा भी है।अब यह देखना बाकी है कि क्या प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेकर दोषियों पर कार्रवाई करेगा या फिर यह मामला भी कागजों में दफन होकर रह जाएगा। जनता की आस्था और सरकारी धन दोनों से खिलवाड़ अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, यह संदेश देने का वक्त प्रशासन के पास है।देरी प्रशासन की, हानि जनता की ङ्क अधूरा मंच बना प्रतीक भ्रष्ट प्रणाली का।

बुधनी में ठेला दुकानदारों को हटाने का नोटिस, गरीबों की रोजी-रोटी पर संकट

दैनिक खबरों की रोशनी पत्रकार चंपालाल केवट सीहोर बुधनी। शासकीय कन्या शाला के पास वर्षों से चाय और चार्ट का ठेला लगाकर अपना गुजारा करने वाले कई दुकानदारों को नगर परिषद द्वारा हटाने का नोटिस दिया गया है। नोटिस मिलते ही गरीब दुकानदारों की नींद उड़ गई है और वे रोजी-रोटी को लेकर बेहद चिंतित हैं। चार्ट का ठेला लगाने वाले नंदकिशोर खत्री का कहना है कि हम कई सालों से यहीं दुकान लगाते आ रहे हैं, अब अचानक हटाने की बात कह देना अन्याय है। हमारी मांग है कि हमें वैकल्पिक जगह दी जाए ताकि हमारा रोजगार बना रहे। वहीं आदिवासी समुदाय के भिलाला दुकानदार ने कहा, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आदिवासियों के हक की बात करते हैं, लेकिन उनके ही क्षेत्र में हमें हटाया जा रहा है। यह हमारे साथ अन्याय है। दुकानदारों ने मुख्यमंत्री से अपील की है कि उन्हें दुकान लगाने के दिया जाए, जिससे वे अपने परिवार का पेट पाल सकें। अब देखना है कि नगर परिषद और प्रशासन इस पर क्या फैसला लेता है।

बुधनी की अदालत कॉलोनी में अधूरी नाली बनी परेशानी की जड़, बारिश से पहले जल्द काम पूरा करने की मांग

दैनिक खबरों की रोशनी पत्रकार चंपालाल केवट सीहोर /बुधनी। अदालत कॉलोनी बुधनी के रहवासी इन दिनों बुनियादी सुविधाओं की भारी परेशानी झेल रहे हैं। क्षेत्र में पहली बार नाली निर्माण का कार्य शुरू किया गया, लेकिन नगर परिषद के इंजीनियर की लापरवाही के कारण यह काम अधूरा छोड़ दिया गया। नाली के दोनों ओर गड्ढे कर दिए गए हैं, जिससे लोगों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। स्थानीय निवासी बताते हैं कि सड़क के दोनों किनारों की खुदाई के कारण रास्ता पूरी तरह से बाधित हो गया है। इसी के चलते रोजमर्रा के कामों में कठिनाई हो

रही है, वहीं गड्ढों में भरी गंदगी से जहरीले जीव-जंतु जैसे सांप और बिच्छू निकलने का खतरा लगातार बना हुआ है। बारिश की शुरुआत ने समस्या को और बढ़ा दिया है। कॉलोनी में हर साल लगभग दो से ढाई फीट तक पानी भर जाता है, और इस बार अधूरी नाली के कारण स्थिति और भी भयावह हो सकती है। निवासियों ने नगर परिषद से मांग की है कि जल्द से जल्द नाली के दोनों ओर मिट्टी भरने का कार्य पूरा किया जाए और निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो बरसात में कॉलोनी जलभराव का शिकार हो जाएगी, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो सकता है। जनता की मांग है - काम अधूरा नहीं, समाधान पूरा चाहिए।

मेधावी छात्र छात्राओं का हुआ सम्मान

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर। क्षत्रिय काछी माली युवा मंच के तत्वावधान में मेधावी छात्र सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन हुआ। जिसमें कक्षा 5 वीं 8 वीं 10 वीं 12 वीं बोर्ड एवं सीबीएससी परीक्षाओं में टॉपर रहे 80 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। वही छोटे छोटे बच्चों ने भगवान श्री राम के भक्ति गीत पर मनमोहक प्रस्तुति दी नन्हें ने बच्चों ने भी अपने डांस की प्रस्तुति दी जो आकर्षण का केंद थी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नारायण सिंह कुशवाह अध्यक्ष कुश कल्याण बोर्ड कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त,राधा मुकेश कुशवाह राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय कुशवाह महिला महासभा,भीमराव महाजन जिला अध्यक्ष महाराष्ट्र माली समाज महासंघ,सहित समाज के वरिष्ठ जनो ने मेधावी छात्र छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किए। इस दौरान काछी

माली समाज ट्रस्ट अध्यक्ष चंपालाल बाबूलाल महाजन,लालमन पीतांबर महाजन,सेवकराम गड़बड़ महाजन,दत्तू किशन महाजन,रघुनाथ पटेल,पांडुरंग जाधव,चंद्रशेखर काशीराम महाजन,कांतिलाल रतीलाल महाजन,कृष्ण कौशिक सर ,युवराज श्यामलाल महाजन,धर्मेंद्र जगन्नाथ महाजन,सुधीर महाजन,जमानदास महाजन,ललित महाजन आलमगंज,सूरज महाजन,उमाकांत श्री राम पंजराए,सहित बड़ी संख्या में गणमान्य शामिल थे।कार्यक्रम की जानकारी देते हुए निलेश महाजन ने बताया कि कार्यक्रम का सफल संचालन कपिल महाजन,मुकेश महाजन, द्वारा किया गया अंत में आभार डॉ अनिल महाजन ने माना।

सात राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों की बैठक आज भोपाल में

विशेष संवाददाता भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में सात राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों के एक महत्वपूर्ण बैठक आज भोपाल में आयोजित होने जा रही है इस बैठक की अध्यक्षता मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर करेंगे नरेंद्र सिंह तोमर ने बैठक से पहले विधानसभा में आकर बैठक की जानकारी लिए एवं बैठक करने के लिए सभी व्यवस्थाओं का अवलोकन भी किया विधानसभा अध्यक्ष के साथ अवलोकन के समय विधानसभा के प्रमुख सचिव यादव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उनके साथ थे विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा है कि सोमवार को 7 राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण बैठक यहां होनी है साथ स्पीकरों की एक समिति बनाई गई है यह समिति समय-समय पर बैठक करके विधानसभा में होने वाली कार्य प्रणाली और विधानसभा की जो समितियां होती हैं उनके कार्यप्रणाली के विषय में चर्चा करती है अपने-अपने सभी स्पीकर सुझाव देते हैं और यदि उनमें कुछ सुधार करना होता है और कोई नई चीज जोड़नी होती तो उसे जोड़ने का काम करते हैं विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि यह हमारा सौभाग्य है के साथ राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों की बैठक करने का अवसर हमें प्राप्त हुआ है हम उन सभी विधानसभा अध्यक्षों का स्वागत करने के लिए आतुर है बैठक की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है सिक्किम अरुणाचल प्रदेश उत्तर प्रदेश बंगाल और मध्य प्रदेश उड़ीसा राजस्थान राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष स्मार्टफोन बैठक में शामिल होने भोपाल आ रहे हैं।

सशक्त पत्रकार समिति का 1000 पौधे लगाने का लक्ष्य

प्रदेश स्तरीय मीडिया सेमिनार में प्रदेश अध्यक्ष उमेश जंगाले ने राष्ट्रीय स्तरीय पत्रकार महासम्मेलन कराने की घोषणा की बुरहानपुर में भरेंगा देश के पत्रकारों का कुंभ

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर। अपनी सामाजिक गतिविधि एवं शहर की जनहितैषी समस्याओं और ज्वलनशील मुद्दे उठाने में अग्रणी शासन से मान्यता प्राप्त सशक्त पत्रकार समिति द्वारा पर्यावरण

संरक्षण एवं वृक्षारोपण जागरूकता अभियान एवं प्रदेश स्तरीय मीडिया सेमिनार का भव्य आयोजन खंडवा रोड स्थित सुरेंद्र पैलेस में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सशक्त पत्रकार समिति के प्रदेश अध्यक्ष उमेश जंगाले ने अपने उद्बोधन में कहा कि धरती पर हरियाली है,तो जीवन और खुशहाली है। यह हरियाली पेड़ और पौधों से ही आती है। यही पेड़ पौधे हमको जीवन दायिनी आक्सीजन प्रदान करते हैं। इसलिए सभी को अपने जन्मदिन,विवाह वर्षगांठ व अन्य शुभ अवसरों पर पौधे जरूर लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान में हर भारतवासी अपूर्व उत्साह के साथ इस अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आतुर है। पर्यावरण की सुरक्षा और समृद्धि के लिए समर्पित इस अभियान से जुड़ कर भी हमें प्रकृति के प्रति अपने फर्ज को पूरा करने की संतुष्टि मिल सकती है। श्री जंगाले ने कार्यक्रम के पश्चात राष्ट्रीय स्तरीय पत्रकारों का महासम्मेलन करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि देश के सभी राज्यों के पत्रकारों का बुरहानपुर में कुंभ भरेंगा। जिन्हें 20 क्विंटल की पुष्पमाला से सम्मानित किया जाएंगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनीस सलूजा ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं कि एक पेड़ मां के नाम अभियान आक्सीजन की मात्रा बढ़ाने,धरती का तापमान कम करने,भूजल स्तर को ऊपर लाने और प्रदूषण नियंत्रण में महत्वपूर्ण योगदान में समर्थ होगा। प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश जाधव ने कहा कि, विभिन्न स्थान जैसे झांझर डेम,शौकत गार्डन,शाही किला शिव मंदिर,रेणुका माता मंदिर,लालबाग सप्तश्रृंगी माता मंदिर पहाड़ी व अन्य स्थानों पर 1000 पौधे लगाने का लक्ष्य है,इसी कड़ी में पेड़ लगाने की सुरुआत हो चुकी हैं। प्रदेश महासचिव गोपाल सावनेर ने कहा कि पत्रकारों के सर्वांगीण विकास, उत्थान और उनके साथ हो रहें अन्याय, अत्याचार व झूठे मुकदमों को लेकर भी हम गंभीर है। प्रदेश महामंत्री रविन्द्र इंगले ने कहा कि पत्रकारों को जोड़ने का अभियान प्रदेश स्तर पर चलाया जाएगा। पत्रकार जोड़ो यात्रा के तहत प्रदेश के हर जिले,तहसील,ग्रामों से अधिक से अधिक पत्रकारों को जोड़कर संस्था को मजबूत कर पत्रकारों के हितों के लिए कार्य किया जाएंगा। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार दिनेश जूनागढ़े और विकास ठाकुर ने भी पत्रकारों को संबोधित किया। कार्यक्रम में आसपास के 20 जिलों के पत्रकार सहित 300 से अधिक पत्रकार मौजूद रहे।

भाजपा विधायक का घर बना तालाब विधायक मैं सरकार को घेरा

रीवा विशेष संवाददाता। मध्य प्रदेश की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के गद्दार विधायक और वरिष्ठ नेता नागेंद्र सिंह के रीवा स्थित कोठी में बरसात के कारण पानी भर गया है पूरी कोठी का निचला हिस्सा तालाब में तब्दील हो गया है विधायक जी अपने परिवार सहित पहली मंजिल पर रहने को मजबूर होना पड़ा है दो दिन से लगातार रीवा में हो रही बारिश के कारण रीवा के अनेक कॉलोनी में पानी भर गया है विधायक जी ने अपने घर में और रीवा की अनेक बस्तियों में पानी भर जाने को लेकर अपनी ही सरकार को गिरा है विधायक ने कहा है की चारों तरफ से भाई पास में शहर को घेर लिया है पानी की निकासी नहीं है पानी की निकासी नहीं होने के कारण हमारी खुद की कोठी पानी में डूब रही है नेहरू नगर हो या रीवा की कोई भी बड़ी कॉलोनी और सभी कॉलोनी जलमंडल हो रही है सरकार को पानी निकासी की व्यवस्था करना चाहिए विधायक जी यही नहीं रुक विधायक जी ने आगे का के रीवा एयरपोर्ट की दीवार गिर गई है दीवार एक पानी में गिर जाने से दीवार के निर्माण में और उसकी क्वालिटी का अंदाजा लगाया जा सकता है विधायक ने यह भी कहा है कि 20 16 में रीवा शहर में जल भराव को लेकर एक सर्वे कराया गया था अनेक बड़े-बड़े इंजीनियर बुलाए गए थे उसे समय यह तैयारी हुई थी कि जल निकास की व्यवस्था की जाएगी लेकिन आज तक उसे सर्वे रिपोर्ट पर किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की गई उसे ठंडे बस्ती में डाल दिया गया विधायक जी कह रहे हैं की निकली वीडियो में पानी भर जाने से कई कॉलोनी में पानी भर जाने से आम आदमी का जीना मुश्किल हो रहा है।

एक पेड़ माँ के नाम जिले में प्रकृति संवर्धन की अनोखी मिशाल पेश 60 हजार पलाश व 1 हजार सीताफल के बीज किये रोपित

जिले में उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है बीजारोपण अभियान जनभागीदारी से होगी बुरहानपुर में हरियाली

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर। एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत जिला प्रशासन द्वारा बीजारोपण अभियान के माध्यम से प्रकृति संवर्धन की अनोखी मिशाल पेश की जा रही है। कलेक्टर हर्ष सिंह के निर्देशानुसार एवं अपर कलेक्टर वीरसिंह चौहान के मार्गदर्शन में जनसहयोग से विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर बीजारोपण किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को ग्राम असीर की धूपगट्टा पहाड़ी पर पलाश के 60 हजार तथा सीताफल के 1 हजार बीज रोपित किये गये। आयोजित बीजारोपण गतिविधि में डिप्टी कलेक्टर राजेश पाटीदार, तहसीलदार,नायब तहसीलदार,अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण, सातपायरी आदर्श एकलव्य आवासीय विद्यालय के विद्यार्थीगण,ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षणार्थीगण सहित ग्रामीणजनों द्वारा श्रमदान किया गया। बीजारोपण करते हुए श्रमदाताओं में उत्साह भी देखने को मिल रहा है। जिले में बीजारोपण अभियान उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। इस दौरान अपर कलेक्टर वीरसिंह चौहान ने कहा कि,बीजारोपण अभियान केवल एक पहल नहीं बल्कि एक प्रयास है,जो प्रकृति के संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण है। यह हमारी मातृभूमि और प्रकृति के प्रति हमारे सम्मान और समर्पण को दर्शाता है। प्रकृति संरक्षण किसी एक का नहीं अपितु सभी का कर्तव्य है। इस पहल के माध्यम से हम अपनी जिम्मेदारी निभा रहे है। जिला प्रशासन द्वारा सभी लोगों से अपील की जा रही है कि, न केवल स्वयं पौधारोपण व बीजारोपण करे बल्कि दूसरो को भी इसके लिए प्रोत्साहित करे क्योंकि जनभागीदारी से ही हमारा बुरहानपुर हराभरा बन सकेगा।

विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल की बैठक का आयोजन

अनीस कुमार खाचरौद। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल सिद्धपुर जिला सीहोर के तत्वाधान में प्रखंड खाचरोद का प्रखंड अभ्यास वर्ग दिनांक 13 जुलाई 2025 दिन रविवार को प्रखंड खाचरोद के कैंब्रिज स्कूल परिसर में रखा गया वर्ग में कार्यकर्ताओ को संगठनात्मक प्रशिक्षण विभाग संगठन मंत्री भानुसिंह राजपूत द्वारा प्रशिक्षण दिया गया एवं आगामी कार्यक्रम को लेकर जिला मंत्री राकेश कुमार विश्वकर्मा प्रखंड के कार्यकर्ताओं को बाबा बुढ़ा अमरनाथ यात्रा एवं विश्व हिंदू परिषद स्थापना दिवस कार्यक्रम की योजना इकाई स्तर पर कार्यक्रम करने हेतु योजना बनाई गई बैठक में संपर्क अधिकारी बनाएं कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजगढ़ विभाग के विभाग संगठन मंत्री भानु सिंह राजपूत जिला उपाध्यक्ष रेवा शंकर जाट जिला मंत्री राकेश कुमार विश्वकर्मा जिला मार्गदर्शन मंडल प्रमुख पंडित मोहित राम पाठक प्रखंड अध्यक्ष बलराम जाट प्रखंड संयोजक आके सिंह ठाकुर प्रखंड सहमंत्री राम निवास जी जाट रामसिंह धर्मेंद्र जी बनेसिंह एवं प्रखंड कार्य समिति खंड समिति इकाई अध्यक्ष मंत्री संयोजक एवं खाचरोद प्रखंड के कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में प्रखंड खाचरोद प्रशिक्षण अभ्यास वर्ग संपन्न हुआ।

मां नर्मदा सेवा समिति सदस्यों ने नर्मदा घाट नीलकंठ पर की सफाई

दैनिक खबरों कीरोशनी पत्रकार चंपालाल केवट भेरूंदा। बारिश के चलते मध्य प्रदेश की जीवनदायनी नमामि देवी मां नर्मदा का जल स्तर बढ़ने से नर्मदा तटों पर कीचड़ के आने से श्रद्धालुओं को मां नर्मदा में स्नान ध्यान पूजा अर्चना करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था एवं सावन के पवित्र माह में प्रतिदिन भगवान भोलेनाथ के भक्त मां नर्मदा में स्नान कर कावड़ में जल भरकर भोलेनाथ का जलाअभिषेक कराते हैं दूर-दूर से श्रद्धालु भेरूंदा तहसील का प्रमुख मां नर्मदा घाट नीलकंठ पहुंचते जहां पर नर्मदा कौशल्या त्रिवेणी संगम घाट पर स्वयं नीलकंठ महादेव शिवलिंग रूप में विराजमान हैं वहीं प्रसिद्ध घाट होने के वजह से भी आए दिन यहां पर भक्तों का श्रद्धालुओं का तता लगा रहता है इसी के चलते नर्मदा सेवा समिति के सदस्यों ने मिलकर नीलकंठ घाट पर नर्मदा सेवा समिति नीलकंठ के द्वारा सावन के पवित्र महा एवं श्रद्धालुओं को मां नर्मदा में स्नान ध्यान पूजा अर्चना करने में आ रही समस्या के चलते नीलकंठ घाट पर साफ सफाई की।।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं का धरना प्रदर्शन कल

महिला एवं बाल विकास विभाग में कार्यरत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संघ एवं सहायिका संघ संबंद्धता भारतीय मजदूर संघ द्वारा 14 जुलाई को समाधि स्थल पर सभा होगी फिर 3 बजे प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा जाएगा

मुस्तकीम मुगल खबरों की रोशनी अलीराजपुर। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ के जिला महामंत्री धनसिंह कनेश ने बताया कि संगठन के माध्यम से सूचना कलेक्टर एवं महिला बाल विकास जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय में कर दी गई है। 14 जुलाई को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अलीराजपुर जिले की समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका बहने समाधि स्थल पर एकत्रित होगी जहां से एक रैली के माध्यम से कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर मा. प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम अपनी मांगे फेस कैप्चर, केंद्र सरकार से मानदेय में बढ़ोतरी की मांग, पर्यवेक्षक भर्ती में कार्यकर्ता को प्राथमिकता, जब अन्य विभागों में ही ई अटेंडेंस प्राथमिकता में नहीं है, तो फिर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए ही क्यों कंपलसरी किया गया, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बूथ लेवल ऑफिसर के रूप में जो आदेश हुए उसे निरस्त कर संबंधित विभाग को दिया जाए आदि मांगों को लेकर ज्ञापन दिया जाएगा। मंजुला लोहार प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ने जिले की समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका बहनों से अधिक से अधिक संख्या में समाधि स्थल पर पहुंच कर ज्ञापन में शामिल होने का अनुरोध किया है।

दैनिक
खबरों की रोशनी

भोपाल, सोमवार 14 जुलाई 2025

देव सो गए तो किसकी करें पूजा...?

डॉ. उमा कुमरे (परते)

कार्यालयों में आपने बहुत देखे होंगे कि फलाना श्री.. फलाना जी जुलाई 2005 से 2015 तक श्री श्री फलाने जी 2015 से अब तक ..लेकिन सृष्टि के कार्यालय का क्या..? श्रावण मास में क्या हमारे नाथ श्री हरि सो गए?

फिर आप चार महीने अनाथ और यह सृष्टि? आप किसकी पूजा करते हैं.. किनको भोग लगाएंगे.. किसकी पूजा करें फिर 4 महीने चातुर्मास व्रत संकल्प में आइए देखते है, अब कौन

है कब से कब तक...?

6 जुलाई, 2025 से देवशयनी एकादशी के साथ चातुर्मास की शुरूआत हो गई है, चातुर्मास यानि चार माह, इस दौरान सृष्टि के पालनहार भगवान विष्णु क्षीर सागर में योग निद्रा में चले जाते हैं, उन चार 4 महीनों के लिए पृथ्वी का कार्यभार सभी देवी देवता संभालते हैं. यहां जानते हैं विस्तार से कैसे विष्णु जी के योग निद्रा में चले जाने के बाद कौन-कौन से देवी-देवता सृष्टि का कार्यभार कब और कैसा संभालते हैं?

गुरु देव बृहस्पति- देवशयनी एकादशी के साथ चातुर्मास की शुरूआत हो जाती है. इसके बाद सबसे पहले गुरु पूर्णिमा के दिन, गुरु बृहस्पति और अन्य देवता गण 4 दिनों के लिए सृष्टि का संचार संभालते हैं.

भोलेनाथ शिव शंकर- इसके बाद सावन माह की शुरूआत होती है और शिव भगवान सृष्टि का कार्यभार एक माह के लिए संभालते हैं. इस दौरान भक्त भोलेनाथ के प्रति अपनी भक्ति दिखाते हैं और उनको प्रसन्न करने के लिए कांवड़ यात्रा करते हैं और उनका जलाभिषेक करते हैं।

भगवान श्री कृष्ण- सावन माह के बाद 19 दिनों तक भगवान श्री कृष्ण सृष्टि को देखते हैं।इस दौरान भाद्रपद माह रहता है. इस माह में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाता है।

भगवान गणेश- इसके बाद भगवान गणेश 10 दिनों के लिए सृष्टि का कार्यभार संभालते हैं और गणेश उत्सव मनाया जाता है।

पितृ पक्ष- पितृ पक्ष के दौरान हमारे पितृ 16 दिनों के लिए धरती पर आते हैं और अपना आशीर्वाद देते हैं।

देवी दुर्गा- इसके बाद देवी दुर्गा 10 दिनों के लिए सृष्टि को देखती हैं। इस दौरान शारदीय नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। 10 दिनों तक चलने वाली नवरात्रि में देवी दुर्गा के नौ रुपों की आराधना की जाती है।

मां लक्ष्मी- इसके बाद 10 दिन मां लक्ष्मी कार्यभार संभालती हैं और यह 10 दिन दिवाली के होते हैं। इस दौरान घरों की साफ-सफाई की जाती है और लक्ष्मी पूजन आदि किया जाता है।

कुबेर देव- आखिर के 10 दिन कुबेर देव की आराधना की जाती है। इसके बाद देवउठनी एकादशी के साथ विष्णु जी निद्रा से जागते हैं और सृष्टि का कार्यभार वापस संभालते हैं,यह दिन बहुत शुभ होता है और इस दिन मांगलिक कार्यों की शुरूआत हो जाती है। तो भाई लोगों श्रावण मास में शिव की शरण लीजिए,शिव शिव शिव कीजिये और आनंद लीजिए चातुर्मास व्रत संकल्प का और हम तो वैसे ही उमा हैं। चतुर्मास व्रत में हमारे देव नहीं सोते केवल नारायण विष्णु भगवान क्षीर सागर में विश्राम लेने जाते है सभी देवता जाग्रत रहते हैं सबकी पूजा होती है । विष्णु भगवान के विश्राम में जाने का सीधा संकेत यह है कि हमें कभी कभी अपनी जिम्मेदारियों से अवकाश लेना चाहिए यह अहं नहीं पालना चाहिए कि हम ही सब चला रहे हैं,जब हम विश्राम करेंगे, अवकाश लेंगे तो दूसरा नेतृत्व तैयार होगा .....

स्वतंत्र लेखिका एवं विचारक

शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव के साथ एक तीर से दो निशाने साधे

जय सिंह चौहान मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने राजनीतिक उद्देश्य की पूर्ति करने के लिए और अपने बड़े बेटे कार्तिकेय या अपनी बहू के लिए बुधनी विधानसभा क्षेत्र में आदिवासी मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के साथ मुलाकात करके एक तीर से दो निशाने साधे हैं मध्य प्रदेश में देवास और सीहोर जिले की सीमाओं से लगे हुए वन क्षेत्र में खिवानी अभ्यारण बनाए जाने वाला है इस अभ्यारण के बनाए जाने के लिए इस क्षेत्र में बरेला आदिवासियों ने सैकड़ो एकड़ एन भूमि पर वनों को काटकर अवैध कब्जा किया हुआ है अभ्यारण के लिए इस भूमि को खाली कराए जाने के लिए जब वन विभाग ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की वहां बने कच्ची झोपड़ी और कुछ जो अन्य लकड़ी के बने घरों को तोड़ा गया तो केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इन आदिवासियों का खुला बचाव करते हुए उनके साथ खड़े ही नहीं हुई बल्कि उनके धरने पर सीहोर में पहुंचकर अधिकारियों के सामने इस बात की घोषणा कर दी कि मैं अतिक्रमण नहीं हटने दूंगा शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कलेक्टर हो डीएफओ हो या फिर कोई और या वन विकास निगम के अधिकारियों सुन ले जनता हमारी भगवान है और हम जनता को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होने देंगे दर्शन शिवराज सिंह चौहान इस जनता की परेशानी की चिंता नहीं कर रहे थे वह आदिवासियों जो उनके मतदाता बन सकते हैं या हैं उनको साधने की कोशिश करके अपने और अपने बेटे के लिए ओटो को सुरक्षित करने का प्रयास कर रहे थे ऐसा करके शिवराज सिंह चौहान ने सीहोर में धरना स्थल पर कहा था कि मैं आप लोगों के एक प्रतिनिधिमंडल को लेकर चलूंगा और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से मुलाकात करुंगा मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार है और डॉक्टर मोहन यादव आदिवासियों के हितेषी दो दिन बाद रविवार को शिवराज सिंह चौहान अपने चहेते बरेला आदिवासियों के एक प्रतिनिधि मंडल को लेकर मुख्यमंत्री निवास पहुंचे जहां आदिवासियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि वन विभाग के अधिकारियों ने बिना नोटिस दिए उनके कच्चे मकानों को तोड़ दिया अब बरसात में हम कहां जाएं 18 साल जो व्यक्ति मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री रहा हो और वर्तमान में प्रभावशाली विभाग का केंद्र का मंत्री हो जिसके अधीनस्थ मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बतौर मंत्री काम किया हो बतौर पर्यटन विकास निगम अध्यक्ष काम किया हो बतौर विकास पाजीकरण अध्यक्ष उज्जैन काम किया हो वह भला इतने बड़े नेता शिवराज सिंह चौहान की बात को कैसे काट सकते थे या कैसे उनकी बात का भरोसा नहीं कर सकते थे शिवराज सिंह चौहान की बात पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बिना सोचे बिना समझे बिना मामले की जांच कराई आनंद-फानन में रविवार के दिन सीहोर वन मंडल अधिकारी का तबादला आदेश जारी कर दिया,डॉ मोहन यादव ने यह भी नहीं सोचा की जो अभ्यारण बनाया जा रहा है वह केंद्र सरकार की इच्छा और मध्य प्रदेश सरकार की इच्छा के साथ ही मध्य प्रदेश के वन्यजीवियों और प्रदेश के पर्यावरण की रक्षा के लिए बनाया जा रहा है डॉक्टर मोहन यादव ने अपने वरिष्ठ नेता को खुश करने के लिए वन मंडल अधिकारी का तबादला तत्काल कर दिया ऐसा कर कर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राजनीतिक चाल चल के डॉक्टर मोहन यादव के साथ 13 से दो निशाने साथ दिए एक तो आईएफएससी अधिकारियों और वन विभाग के कर्मचारियों को सरकार के खिलाफ भड़काने में सफल हो गए तो वहीं दूसरी तरफ अपने राजनीतिक उद्देश्य के लिए पूर्ण आदिवासी बरेला जाति के लोगों को एक बार फिर अपने पक्ष में करने को सफल हो गए जो समय आने पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के खिलाफ भी खड़े होकर शिवराज सिंह चौहान के पक्ष में धरना प्रदर्शन नारेबाजी करने की जरूरत पड़ी तो शिवराज सिंह चौहान के साथ खड़े होंगे पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर वनों के विनाश और वनों की कटाई के साथ-साथ वनों पर अवैध अतिक्रमण विशेष करके बुधनी विधानसभा क्षेत्र में कराई जाने के गंभीर आरोपों नहीं लगे हैं यह सच्चाई भी है शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में जिन आदिवासियों पर शिवराज सिंह चौहान इतनी मेहरबान हो रहे हैं उनको एक-एक परिवार को 100 एकड़ वन भूमि पर अतिक्रमण करवाने और उन्हें मजबूत करने का काम शिवराज सिंह चौहान ने कराया है हम आगामी लेख में उन नाम का उल्लेख करेंगे जिन आदिवासियों को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने मुख्यमंत्री तो कल में वनों की कटाई कर के हजारों एकड़ भूमि की लकड़ी को बेट दिया वनों की भूमि पर कब्जे कर कर खेती कर दी और उन लोगों को वहां बस दिया इसके साथ ही अपने राजनीतिक उद्देश्य के लिए उन्हें आदिवासियों में से उनके परिवार की एक महिला को जिला पंचायत उपाध्यक्ष बनवा दिया तो एक व्यक्ति को सरपंच बनवा दिया और क्यों को पांच और अन्य पदों पर पदासीन कर कर अपने राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति शिवराज सिंह चौहान करते रहे इसमें सबसे मजे की बात यह है कि जिन आदिवासियों के लिए शिवराज सिंह चौहान पर्यावरण और वनों का विनाश कर रहे हैं देश के सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं प्रदेश में बनने वाले अभ्यारण को बनने से रोक रहे हैं उनमें से अधिकांश आदिवासी सीहोर जिले के है ही नहीं सूत्रों की माने तो यह सभी आदिवासी खरगोन बड़वानी धार सहित अन्य दूसरे जिलों के हैं जो यहां आकर बस गए हैं सूत्रों की माने तो इन सभी आदिवासियों ने प्रधानमंत्री आवास आवास योजना का लाभ भी उठाया है और अब यहां वनों का विनाश करके वनों पर आवे जातिक्रमण करके खेती कर रहे हैं शिवराज सिंह चौहान राजनीतिक रूप से और आदिवासियों के सहारे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को अपरिपक्व और फेल मुख्यमंत्री साबित करने का प्रयास कर रहे हैं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को ऐसे तमाम सारे मामलों में कार्यवाही करने से पहले ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच अपने विश्वसनीय किसी वरिष्ठ अधिकारी से कर लेनी चाहिए उसके बाद ही कार्रवाई करना चाहिए अन्यथा किसी दिन मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव देश की सर्वोच्च न्यायालय के अब मानना के आरोपी बना सकते हैं और पार्टी हाई कमान की नजरों में भी गिर सकते हैं डॉक्टर मोहन यादव को बहुत सोच समझ कर ऐसे गंभीर और बड़े मामलों में फैसला लेना चाहिए अन्यथा विपक्ष के साथ-साथ वह अपनी ही पार्टी के नेताओं के निशाने पर आ जाएंगे वैसे भी मध्य प्रदेश के लगभग 30-35 वरिष्ठ नेता जिनमें कुछ मंत्री है कुछ विधायक हैं और कुछ किसी पद पर भी नहीं है वह सभी मिलकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पद से हटवाने का कोई ना कोई बहाना ढूंढ रहे हैं और वह इस तरह की गलतियां डॉ मोहन यादव से कराकर उनके खिलाफ भाई कमान को करने का प्रयास कर रहे हैं डॉक्टर मोहन यादव को ऐसे प्रयासों से भी होशियार रहना चाहिए पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान 18 साल मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे और उन्होंने अपने इस कार्यकाल में मध्य प्रदेश का रातपानी अभ्यारण नहीं बनने दिया यदि यह अभ्यारण बन जाता तो वन्य जीवों को सुरक्षित रखना और पर्यावरण को और मजबूत करने में बड़ी कामयाबी प्राप्त हो सकती थी लेकिन शिवराज सिंह चौहान ने ऐसा नहीं होने दिया यह आप शिवराज सिंह चौहान पर अनेक राजनेताओं सहित कुछ प्रशासनिक अधिकारियों ने भी लगाए हैं जिन प्रशासनिक अधिकारियों का नाता लंबे समय तक वन विभाग से रहा है और उन्होंने मध्य प्रदेश के वन विभाग में वरिष्ठ पदों पर अपनी सेवाएं दी है सीहोर के वन मंडल अधिकारी को हटाए जाने के मामले में और अभ्यारण के गठन और वहां से आदिवासियों को हटाए जाने के मामले को लेकर वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी जो अतिरिक्त डायरेक्टर जनरल ऑफ फॉरेस्ट के पद से रिटायर्ड हुए हैं आजाद सिंह डबास उन्होंने इस पूरे मामले की गंभीरता को समझा है वह खुद भी 3 साल तक वन मंडल अधिकारी सीहोर के पद पर रहे हैं उन्हें सीहोर के वन विभाग के मामले में चप्पल की जानकारी है इस पूरे मामले को लेकर पूर्व एडीएफ ढवास ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिखकर इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया है कि सीहोर डीएसओ का तबादला किया जाना राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति और शिवराज सिंह चौहान अपने मतों को सुरक्षित करने की पूर्ति के लिए कर चुके है खिवनी अभ्यारण के गठन को लेकर जी वन भूमि का मामला है चल रहा है यह पूरी की पूरी वन भूमि देवास जिले को बहुत पहले दे दी गई है और अभ्यारण का पूरा का पूरा मामला देवास जिले से संबंधित है लेकिन शिवराज सिंह चौहान ने अपने स्वार्थ पूर्ति के लिए देवास के डीएफओ का तबादला नहीं बल्कि सीहोर जिले के डीएफओ का तबादला कर दिया मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को इस बात की भी जानकारी विधिवत वन विभाग के महानिदेशक और अन्य अधिकारियों ने दे दी होगी कि देश के सर्वोच्च न्यायालय ने वन विभाग की सभी जमीनों से अतिक्रमण एक साल में हटाने के निर्देश जारी किए हैं और इन्हीं आदेशों के चलते वन विभाग के अधिकारी पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों की टीम के साथ अपने अतिक्रमण दृष्टि को लेकर वन विभाग की जमीन पर किए गए अतिक्रमण को अतिक्रमण से मुक्त करने का प्रयास कर रहे हैं।

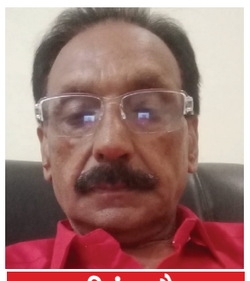

जय सिंह चौहान

आतंकवाद में डिजिटल तकनीकों का बढ़ता उपयोग चिन्ताजनक

ललित गर्ग

टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की नई रिपोर्ट में आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई गई है। इस रिपोर्ट ने वैश्विक सुरक्षा के समक्ष एक नई और गहन चुनौती की ओर संकेत करते हुए आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रयोग को गहन चिन्ताजनक बताया है। रिपोर्ट में ई-कॉमर्स, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया, क्रिप्टोकरेंसी और डार्कनेट जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण और संचालन के बढ़ते खतरे पर न केवल प्रकाश डाला गया है बल्कि गंभीर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग ही पहलू की ओर ध्यान खींचा है। इसमें बताया गया है कि टेक्नॉलजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें और खतरनाक बना रही है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर नई रणनीति एवं नियंत्रण नीति की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों में पलने-बढ़ने वाले आतंकी संगठन इन तकनीकों का उपयोग कर न केवल फंडिंग जुटा रहे हैं, बल्कि गोपनीयता और पहुँच के नए मार्ग भी तलाश रहे हैं। इसके अलावा, आतंकवादी संगठन अब विकेंद्रीकृत मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जैसेकि अल-कायदा क्षेत्रीय इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर धन जुटाना और संचालन करना। भारत ने समय-समय पर पाकिस्तान पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद को बेनकाब करते हुए दुनिया से मिल रहे आर्थिक सहयोग पर चिन्ता जताई और कठोर कार्रवाई की मांग की, इस रिपोर्ट को भारत के रुख का समर्थन करने वाले एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है।

एफएटीएफ के मुताबिक, 2019 में पुलवामा और 2022 में गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर मे हुए आतंकी हमलों के लिए ऑनलाइन प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। पुलवामा में आतंकियों ने आईईडी का इस्तेमाल किया था और इसे बनाने के लिए एल्युमिनियम पाउडर एमेजन से खरीदा गया था। गोरखपुर में हुए हमले में पैसों के लेनदेन में ऑनलाइन जरिया अपनाया गया। गोरखपुर वाले केस में आतंकी विचारधारा से प्रभावित शख्स ने इंटरनैशनल थर्ड पार्टी ट्रांजैक्शन और वीपीएन सर्विस का उपयोग किया था। इस तरह से उसने आईएसआईएल के समर्थन में विदेश में धन भेजा था और उसे भी बाहर से आर्थिक मदद मिली थी। वीपीएन एक डिजिटल तकनीक है जो इंटरनेट उपयोगकर्ता की लोकेशन और पहचान को छुपाती है। जब कोई व्यक्ति वीपीएन का उपयोग करता है, तो उसका इंटरनेट ट्रैफिक एक एन्क्रिप्टेड सुरंग के माध्यम से किसी अन्य देश के सर्वर से होकर गुजरता है। इससे उसकी वास्तविक पहचान छिप जाती है और वह सेंसरशिप, ट्रैकिंग और जियो-रिस्ट्रिक्शन से बच सकता है।

2024 तक दुनिया में 150 करोड़ से अधिक वीपीएन यूज़र्स हैं। इनमें से बड़ी संख्या एशिया और मध्य पूर्व से है, जहां सेंसरशिप या निगरानी से बचने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। भारत में 12 से 14 करोड़ वीपीएन उपयोगकर्ता हैं। भारत वीपीएन यूज़र्स की संख्या में दुनिया के शीर्ष 3 देशों में शामिल है। वीपीएन का उपयोग कर आतंकी सोशल मीडिया और गुप्त चैनलों के ज़रिए युवाओं को बरगलाने और भर्ती करने का काम करते हैं। कुछ आतंकवादी समूह वीपीएन नेटवर्क का प्रयोग कर सरकारी वेबसाइटों, रक्षा प्रतिष्ठानों और बैंकिंग सिस्टम पर साइबर हमला करते हैं। दुनिया की एक तिहाई आबादी ऑनलाइन शॉपिंग करती है। इस साल ग्लोबल ई-कॉमर्स मार्केट के 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। भारत इस लिस्ट में फिलहाल सातवें नंबर पर है। लेकिन सवाल यह है कि इस डेटा के बीच अगर कुछ संदिग्ध लोग कुछ हजार डॉलर की खरीददारी करते हैं, जिसका इस्तेमाल आगे जाकर किसी आतंकी हमले में होता है, तो उसे चिह्नित कैसे किया जाए? एफएटीएफ ने कुछ दिनों पहले पहलगाम को लेकर कहा था कि इतना बड़ा आतंकी हमला बाहरी आर्थिक मदद के बिना संभव नहीं हो सकता। उसकी हालिया रिपोर्ट इसी बात को और पुष्ट कर देती है। आतंकियों ने अपने काम का तरीका बदल लिया है। वे इंटरनेट की दुनिया की ओट ले रहे हैं, जो ज्यादा खतरनाक है।

एफएटीएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी समूहों ने अब पारंपरिक धन स्रोतों के साथ-साथ क्रिप्टोकरेंसी जैसे डिजिटल वित्तीय माध्यमों का भी उपयोग करना शुरू कर दिया है। ये माध्यम उन्हें सरकार की नजरों से बचाते हुए सीमाओं के पार फंडिंग जुटाने की सहूलियत देते हैं। साथ ही, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स, फेक सोशल मीडिया अकाउंट्स, और ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर वे अपने नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। पाकिस्तान एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से बाहर भले हो गया हो, लेकिन उसके खिलाफ लगे आरोपों में कोई कमी नहीं आई है। अनेक ग्लोबल इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स और एफएटीएफ ऑब्ज़र्वेशन्स इस बात की पुष्टि करती हैं कि पाकिस्तान में आतंकी गुटों को डिजिटल इकोसिस्टम का खुले तौर पर उपयोग करने दिया जा रहा है, या कभी-कभी सरकार की मौन सहमति से। उदाहरण के रूप में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों ने बिटकॉइन और अन्य डिजिटल टोकन के जरिए फंड जुटाने की नई तरकीबें अपनाई हैं। कई मामलों में आतंकी फंडिंग के लिए फर्जी चैरिटेबल ट्रस्ट और सामाजिक मीडिया अभियानों का सहारा लिया गया है।

बचपन में दिल का दर्द

प्रियंका सौरभ

भारत में बच्चों में हार्ट अटैक की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। इसका संबंध बच्चों की बदलती जीवनशैली, खान-पान, मानसिक तनाव और स्क्रीन टाइम से है। स्कूलों में नियमित हेल्थ जांच, योग, पोषण शिक्षा और अभिभावकों की जागरूकता से ही इस खतरे को रोका जा सकता है। यह केवल स्वास्थ्य नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चेतावनी है।

जब भी हम हार्ट अटैक शब्द सुनते हैं, हमारे जेहन में पचास-पैंसठ साल का कोई अधेड़ उम्र का व्यक्ति सामने आता है–भागदौड़ भरी जदिगी में उलझा, तनाव और थकान से लदा हुआ। पर आज हकीकत इससे कहीं अधिक डरावनी और चौंकाने वाली है। आज दिल के दौरे सिर्फ बड़ों का ही नहीं, बल्कि मासूम बच्चों का भी पीछा कर रहे हैं। देश के कई हिस्सों से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जहां स्कूल जाते बच्चे अचानक गिर जाते हैं और डॉक्टर उसे ÷कार्डियक अरेस्ट÷ या ÷सडन हार्ट फेल्योर÷ बता देते हैं। क्या यह केवल संयोग है? या फिर हमारी जीवनशैली ने नन्हे दिलों पर हमला बोल दिया है?

पिछले कुछ महीनों में देशभर से कई ऐसी घटनाएं सामने आईं हैं, जो इस खतरे की गंभीरता की पुष्टि करती हैं। ताजा मामला मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले का है, जहां आठ साल की मासूम बच्ची स्कूल गेट पर पहुंचते ही गिर पड़ी और उसकी मौत हो गई। इससे पहले गुजरात, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र जैसे राज्यों से भी स्कूली बच्चों की हार्ट अटैक से हुई मौत की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इंडियन मेडिकल जर्नल्स के अनुसार, 2021 और 2022 के बीच 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों में अचानक कार्डियक अरेस्ट से मौत के मामलों में 35त्न की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2022 में अकेले भारत में 32,457 युवाओं की मौत हृदयाघात से हुई। इनमें बड़ी संख्या 10 से 18 वर्ष के बीच के किशोरों की थी।

सवाल यह है कि ऐसा हो क्यों रहा है? क्या यह सिर्फ अनुवांशिकता का मामला है? क्या बच्चों में जन्मजात हृदय रोग अचानक सक्रिय हो रहे हैं? या फिर इसके पीछे हमारी बदलती जीवनशैली, खान-पान, स्क्रीन टाइम, मोटापा, मानसिक तनाव और शारीरिक निष्क्रियता का कोई बड़ा योगदान है?

विशेषज्ञ कहते हैं कि इसका कारण मल्टी फैक्टोरियल है–अर्थात यह कई कारकों का मिश्रण है। आज के बच्चे ब्रेड-बर्गर, पिज़्ज़ा, कोल्ड ड्रिंक और पैकेज्ड स्नैक्स पर निर्भर हैं। पौष्टिक आहार, जैसे हरी सब्जियाँ, दालें, फल, दूध अब उनके भोजन का हिस्सा नहीं रह गया है। पहले बच्चे गली-मोहल्ले में दौड़ते-खेलते थे। अब मोबाइल और गेमिंग कंसोल्स ने उनका बचपन छीन लिया है। खेल के मैदानों की जगह टैबलेट ने ले ली है। स्कूलों में अत्यधिक होमवर्क, कोचिंग की दौड़, माता-पिता की अपेक्षाएं और हर क्षेत्र में 'बेस्ट' बनने का दबाव बच्चों में मानसिक तनाव पैदा कर रहा है। यह तनाव शरीर में कोर्टिसोल और अन्य हॉर्मोन को असंतुलित कर देता है, जिससे हृदय पर असर पड़ता है। देर रात तक मोबाइल चलाना, रील्स देखना और ऑनलाइन गेम खेलना बच्चों की नींद को प्रभावित करता है। नींद की कमी सीधे दिल की सेहत से जुड़ी है। बाल हृदय रोग विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों में हार्ट अटैक आमतौर पर कॉन्जेनिटल हार्ट डिजीज, कार्डियोमायोपैथी, इलेक्ट्रिकल डिसऑर्डर्स या मायोकार्डिटिस के कारण होता है। लेकिन इनका समय पर पता न चलने के कारण बच्चे अचानक मौत का शिकार हो जाते हैं। दुर्भाग्यवश, हमारे देश में बाल स्वास्थ्य की जांच प्रणाली बहुत कमजोर है।

फीचर

बच्चा होमवर्क आसानी से इस प्रकार करेगा

अभिभावकों को अक्सर लगता है कि बच्चे स्कूल में अच्छा करें यह उनकी भी जिम्मेदारी बनती है। यह जिम्मेदारी चिंता में तब्दील हो जाती है।

आपके विचार बच्चे के बिगड़ते भविष्य तक भी पहुंच जाते हैं। और ऐसा न हो इसके लिए सही तरीके से किया गया होमवर्क पहला कदम नजर आने लगता है। परिणयाम आप बच्चे को बार बार होमवर्क करने के लिए कहते हैं। उसकी नोटबुक देखकर जानने की कोशिश करते हैं आखिर आज का काम क्या है। कुछ समझ आता है कुछ नहीं समझ पाते। जानिए आखिर कैसे आप बच्चे को करा सकते हैं होमवर्क आसानी से और डाल सकते हैं उनके कुछ बहुत अच्छी आदतें डालें।

बच्चे के साथ बैठिए: अपने बच्चे के साथ बैठिए और उसके साथ अपनी आगे आने वाले साल के विषय में बातचीत कीजिए। बेहतर होगा एकेडिमिक ईयर की शुरूआत में ही प्लान बन जाए ताकि आपके और बच्चे के पास भरपूर वक्त और मौका रहे। ऐसी इच्छाएं ही रखिए जो हो सकती हैं। जरूरत से अधिक अपेक्षाएं बच्चे पर अतिरिक्त मानसिक बोझ डाल सकती हैं। अपने बच्चे के कमजोर क्षेत्रों को पहचानें। उसका पिछले साल का रिपोर्ट कार्ड और उसका अनुभव इसमें आपकी मदद करेगा। इस हिस्से पर आपको और बच्चे को अधिक काम करना है।दिन के घंटे बांटिए आपके बच्चे की पिछले साल भी कुछ दिनचर्या रही होगी। इस बार टाइमटेबल में उन गल्तियों को जगह न दें जो पिछले साल परेशानी का कारण बन गईं थीं। हो सकता है पिछले साल बच्चे का सोने और होमवर्क का समय एक ही हो ऐसे में टीवी के टाइम में कटौती कर थोड़ा पहले होमवर्क करना समझदारीभर होगा। होमवर्क को रोचक बनाने की कोशिश करें क्या आपका बच्चा पढ़ने से जी चुराता है? ऐसे में आप दूसरे बच्चों के उदाहरण दे देकर उसे इंस्पायर करने की कोशिश करने में उसके मन में जलन और असुरक्षा की भावना पैदा करते हैं। बच्चा न पढ़ने के बहाने ढूंढ़ने लगता है।

प्रेरणा

प्रकाशस्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है। भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अत=हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं। श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमस=परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है।

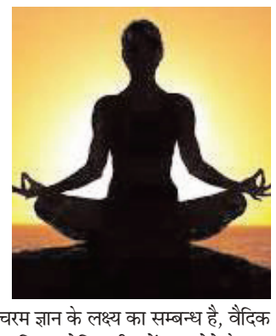

वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है। वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अत=मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं।

अपनी बात

एनएसए अजित डोभाल के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर दिए बयान से पाकिस्तान बौखला गया है। डोभाल ने शुक्रवार को पहली बार कहा कि भारत ने पाकिस्तान के अंदर मौजूद नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया और इस दौरान भारत की तरफ से एक भी चूक नहीं हुई। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन मात्र 23 मिनट में पूरा किया गया और इसका आधार पूरी तरह खुफिया जानकारी थी।

समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने कहा कि कांवड़ यात्रा के मार्गों पर नॉनवेज की दुकानें बंद रखने का आदेश है, लेकिन शराब की दुकानों को तिरपाल से ढककर बेचा जा रहा है, ये कौन सा इंसाफ है। उन्होंने सवाल पूछा कि क्या शराब से किसी का धर्म भ्रष्ट नहीं होगा? हसन ने कहा कि योगी सरकार का दोहरा रवैया है। उनका फैसला न केवल असंगत है, बल्कि गरीब दुकानदारों के साथ अन्याय भी है।

विदेशों में कीजिए डॉक्टरी की पढ़ाई

भारत में विदेशों की तुलना में मेडिकल कॉलेजेस की भी काफी कम संख्या है और इसीलिए कई लोग विदेशों की ओर रुख करते हैं। रूस जैसा देश जो भारत का पुराना रणनीतिक सहयोगी रहा है, वहां भी मेडिकल कोर्सेज करने के लिए लोग स्वेच्छा से जाते हैं।

कई लोग इस गलतफहमी के शिकार होते हैं कि रूस से प्राप्त मेडिकल की डिग्री की बहुत वैल्यू नहीं होती है, तो आपको बता दें कि नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट यानी एनसीआई और डब्ल्यूएचओ, यानी वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन रूसी यूनिवर्सिटी की डिग्री को मान्यता देते हैं। बेशक आज कॅरियर के चाहे जितने आप्शन उपलब्ध हों, किंतु हकीकत यह है कि आज भी डॉक्टरी जैसे ट्रेडिशनल कोर्स का काफी क्रेज है। आज भी डॉक्टरी में एडमिशन हर किसी को नहीं मिलता और जिनको मिलता है, उनको इसके लिए भारी-भरकम फीस चुकानी पड़ती है।

इसका सबसे बड़ा कारण यही है कि डॉक्टरी का पेशा अपने आप में 'सेल्फ एंप्लॉयड' पेशा है। आपने कोर्स किया और आप बड़ा हॉस्पिटल नहीं, तो छोटा क्लीनिक खोल कर अपना काम जमा सकते हैं। भारत जैसे देश में जहां अभी भी डाक्टरों की भारी कमी है, लाखों लोगों पर डॉक्टरों की जितनी संख्या होनी चाहिए, उससे कम संख्या उपलब्ध है।

भारत में विदेशों की तुलना में मेडिकल कॉलेजेस की भी काफी कम संख्या है और इसीलिए कई लोग विदेशों की ओर रुख करते हैं। रूस जैसा देश जो भारत का पुराना रणनीतिक सहयोगी रहा है, वहां भी मेडिकल कोर्सेज करने के लिए लोग स्वेच्छा से जाते हैं। इसके लिए सबसे पहले आपको नीट, यानी नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट पास करना जरूरी होता है। इसके बाद ही आप यहां दाखिला ले सकते हैं। 'रूस में 25 परसेंट सीट्स विदेशी छात्रों लिए आरक्षित हैं। भारत के छात्र जो रूस से पढना चाहते हैं, उनके मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के मुताबिक 50 परसेंट मार्क होने जरूरी हैं। अगर खर्च की बात करें तो रूस में मेडिकल की पढ़ाई करना अपेक्षाकृत कम सस्ता है। खासकर तब, जब अमेरिका या दूसरी यूरोपियन कंट्रीज से हम तुलना करते हैं। खास बात यह भी है कि रूस में अगर आप पढ़ाई करना चाहते हैं, तो मेडिकल कोर्सेज के लिए काफी सब्सिडी दी जाती है। एक अनुमान के मुताबिक, तकरीबन 12-13 लाख रुपए में आप मेडिकल का कोर्स भारत के इस 'मित्र देश' में आसानी से कर सकते हैं। खर्च के मामले में बता दें कि यह इंडिया के मुकाबले आधा ही पड़ता है।

जहां तक सब्सिडी की बात है, तो खुद कई यूनिवर्सिटीज को रूस की सरकार चलाती है, और इस वजह से वहां इंफ्रास्ट्रक्चर और दूसरी फैसिलिटीज भी गवर्नमेंट ही उपलब्ध कराती है। इसलिए आसानी से सब्सिडी भी मिल जाती है। अगर छात्रों की बात करें तो इसके लिए वहां एक डेडीकेटेड डिपार्टमेंट है, और वही हॉस्टल इत्यादि दूसरी सुविधाओं की देखरेख करता है। कई लोग इस गलतफहमी के शिकार होते हैं कि रूस से प्राप्त मेडिकल की डिग्री की बहुत वैल्यू नहीं होती है, तो आपको बता दें कि नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट यानी एनसीआई और डब्ल्यूएचओ, यानी वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन रूसी यूनिवर्सिटी की डिग्री को मान्यता देते हैं। जाहिर तौर पर भारत में भी इसे मान्यता मिल ही जाती है।

वैसे भी ज्ञान कहीं बेकार नहीं जाता है। अगर आप भी रूस से मेडिकल कोर्स करना चाहते हैं और कहीं पैसे की कमी आती है तो छात्रों को प्रोसेसिंग फीस पर ही तकरीबन क्ता000 की स्कॉलरशिप मिल जाती है, जो आपकी पढ़ाई के दौरान परफॉर्मेंस पर निर्भर करती है। दुनिया भर में जिस प्रकार से मेडिकल कोर्स की डिमांड बढ़ी है, उसने लोगों को इस और बड़ी संख्या में आकर्षित किया है। कोरोना वायरस महामारी ने पूरी दुनिया को एक बार फिर से डॉक्टरों की अहमियत समझा दी है, बल्कि ठीक से समझा दी है।

लॉकडाउन के दौरान कुछ इस तरह डेवलप करें अपने प्रोफेशनल स्किल्स

स्किल्स को डेवलप करने के लिए जरूरी है आपका नियमित होना। हो सकता है कि आज उत्साह में आप सीखने का मन बना लें, लेकिन एक या दो दिन में ही बोर होने लग जाएं। इसलिए घर पर रहते हुए आपको यह सुनिश्चित करना है कि आप रेग्युलर रहें।

एप का सहारा

कुछ नया सीखने के लिए घर से बाहर निकलने की जरूरत नहीं है, बल्कि आप ऑनलाइन वेबसाइट या एप के जरिए भी काफी कुछ सीख सकते हैं। मसलन, अगर आप कोई नई भाषा जैसे स्पेनिश, जर्मन, इटैलियन, डच, जापानी या रशियन लैंग्वेज सीखना चाहते हैं तो एप पर जाकर शुरूआत कर सकते हैं। इसकी मदद से कई विदेशी भाषाओं को बेहद आसानी से सीखा जा सकता है। इस तरह खाली समय में इंटरनेट आपके स्किल्स को डेवलप करने में मदद करेगा।

रहें रेग्युलर

स्किल्स को डेवलप करने के लिए जरूरी है आपका नियमित होना। हो सकता है कि आज उत्साह में आप सीखने का मन बना लें, लेकिन एक या दो दिन में ही बोर होने लग जाएं। इसलिए घर पर रहते हुए आपको यह सुनिश्चित करना है कि आप रेग्युलर रहें। इसके लिए आप एक समय तय कर लें और हर दिन तय समय पर एक घंटा अपने स्किल्स को डेवलप करने में लगाएं। साथ ही आप यह भी सुनिश्चित करें कि लॉकडाउन खत्म होने के बाद भी आप अपनी लर्निंग को बीच में नहीं छोड़ेंगे।

बनाएं नोट्स

भले ही आपकी लर्निंग ऑनलाइन हो, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आपके पास हार्डकॉपी कुछ भी ना हो। दरअसल, जब आप कुछ भी नया सीखें तो उसके छोटे-छोटे नोट्स बनाएं। साथ ही किसी भी कॉन्सेप्ट को अच्छी तरह सीखने व समझने के लिए आप प्रैक्टिस शीट भी खुद सॉल्व करें। इससे आपको समझ में आएगा कि आप किस हद तक उस कॉन्सेप्ट को समझ पाए हैं।

प्रोफेशनल सर्टिफिकेट

जब बात प्रोफेशनल स्किल्स को डेवलप करने की होती है तो इसमें प्रोफेशनल सर्टिफिकेट का काफी महत्व होता है। दरअसल, ऑनलाइन ऐसे भी कई प्रोफेशनल कोर्स मौजूद हैं, जो किसी खास क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए ही होते हैं और इसलिए अगर आप उस क्षेत्र से संबंध रखते हैं तो आप उस कोर्स को ज्वॉइन कर सकते हैं। हालांकि इसके लिए आपको थोड़ा खर्चा भी करना पड़ सकता है। लेकिन ऑनलाइन कोर्स कंप्लीट करने और एग्जाम क्लीयर करने के बाद आपको प्रोफेशनल सर्टिफिकेट मिलता है, जो आपके कॅरियरग्रोथ में अहम्भूमिका निभाता है।

आज के समय में विभिन्न कंपनियों को अपने बिजनेस में वृद्धि करने के लिए उसकी मार्केटिंग करनी पड़ती है। हर फर्म को सेल्स व मार्केटिंग के लिए प्रोफेशनल्स की जरूरत होती है। इन प्रोफेशनल्स की खासियत यह होती है कि बिजनेस व कंपनी के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। एक मार्केटिंग मैनेजर का काम सिर्फ सामान की बिक्री तक ही सीमित नहीं है, बल्कि विज्ञापन, वितरण जैसे महत्वपूर्ण तथ्यों पर भी गौर करता है।

मार्केटिंग मैनेजमेंट के क्षेत्र में कुछ इस तरह बढ़ाएं अपने कदम

मार्केटिंग मैनेजमेंट क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी औपचारिक शैक्षिक योग्यता की आवश्यकता नहीं है। एमबीए की डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं। दरअसल, अधिकांश संस्थान एमबीए पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में सेल्स व मार्केटिंग के बारे में सिखाते हैं। आज के समय में विभिन्न कंपनियों को अपने बिजनेस में वृद्धि करने के लिए उसकी मार्केटिंग करनी पड़ती है। हर फर्म को सेल्स व मार्केटिंग के लिए प्रोफेशनल्स की जरूरत होती है। इन प्रोफेशनल्स की खासियत यह होती है कि बिजनेस व कंपनी के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। एक मार्केटिंग मैनेजर का काम सिर्फ सामान की बिक्री तक ही सीमित नहीं है, बल्कि विज्ञापन, वितरण जैसे महत्वपूर्ण तथ्यों पर भी गौर करता है। अगर आप भी चाहें तो इस मार्केटिंग मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना उज्ज्वल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में किसी भी प्रॉडक्ट को अच्छी तरह समझना आना चाहिए। साथ ही आपमें ग्राहकों के साथ व्यवहार करते समय धैर्य रखना चाहिए। इसके अलावा बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल, लीडरशिप क्वालिटी, टीम को मोटिवेट करते रहना, समस्याओं को समझना और उसे हल करने की भी क्षमता होनी चाहिए। क्विक थिंकिंग व हरदम नए आईडियाज आपको आगे ले जाने में मदद करेंगे। इतना ही नहीं, एक मार्केटिंग मैनेजर को आत्मविश्वासी होना चाहिए और हमेशा करंट अफेर्यस से अपडेट रहना चाहिए और विज्ञापन और मर्चेंडाइजिंग तकनीकों से परिचित होना चाहिए।

योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी औपचारिक शैक्षिक योग्यता की आवश्यकता नहीं है। एमबीए की डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं। दरअसल, अधिकांश संस्थान एमबीए पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में सेल्स व मार्केटिंग के बारे में सिखाते हैं। किसी भी क्षेत्र में ग्रेजुएशन करने के बाद छात्र मार्केटिंग में एमबीए कर सकते हैं। अधिक संस्थान में प्रवेश लिखित परीक्षा के आधार पर होता है। वैसे एमबीए के अलावा बीबीए, बीबीएम, डिप्लोमा कोर्स व पीजीडीएमसीएम अर्थात्पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मार्केटिंग कम्युनिकेशन मैनेजमेंट करके भी आप मार्केटिंग, एडवरटाइजमेंट, एंटरटेनमेंट व ब्रांड मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में अपना करियर बना सकते हैं।

रोजगार की संभावनाएं

आज के समय में हर कंपनी अपना बिजनेस बढ़ाना चाहती हैं और इसके लिए उसे प्रोफेशल्स की जरूरत होती है। आप भी कई छोटी कंपनियां, बड़े कॉरपोरेट, सरकारी और गैर सरकारी संगठन, कंसल्टेंसी, पब्लिक रिलेशन एंजेसी में काम कर कर सकते हैं। इसके अलावा आप डिपार्टमेंट स्टोर, कंप्यूटर कंपनी, यूटिलिटी कंपनी, खाद्य उत्पादकों व मैन्युफैक्चरिंग फरम्स आदि में भी जॉब तलाश सकते हैं। इतना ही नहीं, आप खुद की कंसल्टेंसी फर्म भी खोल सकते हैं और विभिन्न आर्गेनाइजेशन को मार्केटिंग से संबंधित सलाह दे सकते हैं।

आमदनी

मार्केटिंग मैनेजमेंट एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें स्किल्ड पर्सन को काफी अच्छी सैलरी दी जाती है। इसमें आपको सैलरी के अलावा इनसेंटिव भी मिलता है। एक अच्छे बिजनेस स्कूल से एमबीए की डिग्री प्राप्त करने के बाद आप शुरूआत में तीन से 35 लाख सालाना कमा सकते हैं। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आपकी आमदनी पांच लाख रूपए सालाना हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट
- जेवियर लेबर रिसर्च इंस्टीट्यूट, जमशेदपुर
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी,
- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी

स्व-व्यवसाय की इच्छा रखते हैं तो एलआईसी एजेंट बनकर कमाएं पैसे

एलआईसी एजेंट बनने के लिए आपकी उम्र 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। इसके अलावा आपका कम से कम दसवीं पास होना अनिवार्य है। एलआईसी एजेंट बनने के लिए आप सभी जरूरी डॉक्यूमेंट जैसे जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल सर्टिफिकेट व पैन कार्ड फार्म के साथ जमा करें। ऐसे बहुत से लोग हैं, जो अच्छी कमाई तो करना चाहते हैं, लेकिन उनके लिए नौ से पांच की जॉब करना संभव नहीं होता या फिर वह खुद का बॉस बनकर काम करना चाहते हैं। अगर आपकी भी ऐसी ही इच्छा है तो आप बतौर एलआईसी एजेंट बनकर अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।

एलआईसी एजेंट बनना काफी आसान है और इसके जरिए आप आकर्षक आमदनी कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कि एलआईसी एजेंट कैसे बनें और इसके लिए योग्यता क्या हो-

जरूरी योग्यता - एलआईसी एजेंट बनने के लिए आपकी उम्र 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। इसके अलावा आपका कम से कम दसवीं पास होना अनिवार्य है। एलआईसी एजेंट बनने के लिए आप सभी जरूरी डॉक्यूमेंट जैसे जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल सर्टिफिकेट व पैन कार्ड फार्म के साथ जमा करें।

प्रक्रिया - अगर आप एलआईसी एजेंट बनना चाहते हैं तो आप अपने निकटतम एलआईसी शाखा कार्यालय में संपर्क करें और वहां डेवलपमेंट ऑफिसर से मिलें। वहां ब्रांच मैनेजर एक इंटरव्यू आयोजित करेंगे। अगर आप उसमें पास हो जाती हैं तो आपको प्रशिक्षण के लिये विभागीय या एजेंसी प्रशिक्षण केंद्र भेजा जायेगा।

प्रशिक्षण केन्द्र में आपको 25 घंटों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में जीवन बीमा व्यवसाय के सभी पक्ष सम्मिलित होते हैं। प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद आपको पूर्व-लाइसेंसिंग परीक्षा में बैठना होगा, जो भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण अर्थात आईआरडीएआई द्वारा संचालित की जाती है।

परीक्षा के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद बीमा अभिकर्ता के रूप में कार्य करने के लिये आईआरडीएआइ द्वारा अपॉइंटमेंट लेटर और आईडेंटिटी कार्ड प्रदान किया जायेगा। इसके बाद आप ब्रांच ऑफिस द्वारा एजेंट के रूप में नियुक्त किये जायेंगे और आप अपने विकास अधिकारी के अधीन टीम का हिस्सा होंगे। विकास अधिकारी आपको फील्ड प्रशिक्षण और अन्य महत्वपूर्ण इनपुट उपलब्ध करायेंगे, जो आपके काम को आसान बनाने में मदद करेंगे।

स्किल्स - अगर आप लोगों से मिलना पसंद करते हैं और स्व-व्यवसाय की इच्छा रखते हैं तो आप एलआईसी एजेंट के रूप में अपना कॅरियर देख सकते हैं। इसके अलावा सेल्फ-मोटिवेशन, बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल्स, जैसे कई योग्यताएं भी आपके करियर को सफल बनाने में मदद करते हैं।

आमदनी - अगर एक एलआईसी एजेंट की बात की आमदनी हो तो वह कोई निश्चित नहीं होती। आप जितना बेहतर काम करेंगे, आपकी आमदनी भी उतनी ही अधिक होगी। इसके अलावा एलआईसी एजेंट को उनकी परफार्मेंस के अनुसार रिवार्ड्स भी मिलते हैं।

दैनिक
खबरों की रोशनी
भोपाल, सोमवार 14 जुलाई 2025

ब्रीफ न्यूज़

अमेरिका से बातचीत के लिए ईरान की शर्त- हमला नहीं करने की दें गारंटी

तेहरान। ईरान ने अमेरिका के साथ फिर से बातचीत शुरू करने की संभावनाओं को सशर्त बताया है। देश के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि यदि अमेरिका भविष्य में किसी सैन्य कार्रवाई से परहेज करने की स्पष्ट गारंटी देता है, तभी बातचीत आगे बढ़ सकती है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि आपसी सम्मान और व्यवहार परिवर्तन के बिना कोई प्रगति संभव नहीं है। ईरान के विदेश मंत्री अरागची ने एक बातचीत में कहा, कि अमेरिका को यह गारंटी देनी होगी कि वह ईरान के खिलाफ सैन्य हमला नहीं करेगा। बातचीत दोतरफा होती है, लेकिन विगत में अमेरिका ने बातचीत छोड़कर बल प्रयोग का रास्ता अपनाया। इस बातचीत में ईरानी मंत्री ने कहा कि राजनयिक चैनलों और मित्र देशों के माध्यम से एक हॉटलाइन स्थापित की जा रही है, ताकि संपर्क बहाल रह सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कूटनीति बंद नहीं हुई है, लेकिन आगे बढ़ने के लिए विश्वास बहाली अनिवार्य है। अरागची ने अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाए जाने पर नाराज़गी जताई।

पाकिस्तान में 5 अगस्त को इमरान खान फ्री मूवमेंट को लेकर होगा बड़ा प्रदर्शन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सरकार और इमरान खान की पार्टी के बीच चल रहे तनाव में नया मोड़ आ गया है। पूर्व पीएम इमरान के बेटों सुलेमान और कासिम को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पीएलएल-एन नेताओं ने चेतावनी दी है कि अगर वे पाकिस्तान आकर किसी हिंसक प्रदर्शन में शामिल होते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह चेतावनी ऐसे समय पर आई है जब इमरान की पार्टी पीटीआई ने 5 अगस्त से इमरान खान फ्री मूवमेंट शुरू करने की घोषणा की है। इसी बीच इमरान की बहन अलीमा खान ने कहा कि उनके भाई के बेटे इस आंदोलन में शामिल होने पाकिस्तान आ रहे हैं। पंजाब सरकार की सूचना मंत्री अजमा बुखारी ने कहा कि इमरान खान के बेटों को देश में अव्यवस्था फैलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जब खान घायल हुए थे, तब उनके बेटे पाकिस्तान क्यों नहीं आए? अब अचानक उन्हें पाकिस्तान की याद क्यों आ रही है? इमरान की पूर्व पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

बांग्लादेश में कट्टरपंथी एकजुट होकर रिप्रेजेंटेशन प्रणाली की मांग कर रहे

ढाका। बांग्लादेशी आर्मी के चीफ जनरल वाकर-उज-जमान का झुकाव अब कट्टरपंथी इस्लामी दलों की ओर देखा जा रहा है। जिसमें जमात-ए-इस्लामी, इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश, खिलाफत मजलिस, मुत्ताहिदे मजलिस-ए-अमल, और तंजीमुल उलेमा जैसे दल शामिल हैं। ये सभी मिलकर एक कट्टरपंथी गठबंधन के रूप में उभर रहे हैं और एकजुट होकर प्रोपोर्शनल रिप्रेजेंटेशन प्रणाली (मत प्रतिशत आधारित सीट बंटवारा) की मांग कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि यह मांग नहीं मानी गई, तब वे चुनाव बहिष्कार का रास्ता अपनाएंगे। मुख्य विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अंदरूनी चुनौतियों से जूझ रही है।

चीन का महाबली हथियार...

ऐसी परमाणु मिसाइल जो 30 मिनट में न्यूयॉर्क को धूल में मिला सकती है

एजेंसी ■ नई दिल्ली

चीन ने हाल ही में डीएफ-5बी नाम का एक लॉन्ग-रेंज मिसाइल पेश किया है, जो कई परमाणु वारहेड्स ले जाने में सक्षम है। प्रत्येक वारहेड की विस्फोटक शक्ति हिरोशिमा पर गिराए गए बम से 200 गुना से भी ज्यादा मजबूत है। यह मिसाइल 12,000 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकती है, जिसका मतलब है कि अगर इसे बीजिंग से लॉन्च किया जाए, तो यह न्यूयॉर्क तक पहुंच सकता है। इससे पहले कि आपके ऑनलाइन फूड ऑर्डर पहुंचे। इन वारहेड्स में 3 से 4 मेगाटन की शक्ति है। यह किलोटन नहीं, मेगाटन है। यानी, एक पूरा शहर मिटा देने वाली विनाशकारी शक्ति। यह कोई नई तकनीक नहीं है। छ्ष्न-5क्रकई सालों से अस्तित्व में है। चीन बस दुनिया को याद दिला रहा है कि यह अभी भी बहुत ज्यादा मायने रखता है।

क्या यह खतरा है?

डीएफ-5बी का रेंज और शक्ति को देखते हुए, यह साफ है कि यह एक बहुत बड़ा खतरा है। न्यूयॉर्क जैसे बड़े शहर को नष्ट करने की क्षमता रखने वाला यह मिसाइल दुनिया के लिए एक चेतावनी है। हालांकि, चीन का कहना है कि यह सिर्फ रक्षा के लिए है, लेकिन कई देश इसे आक्रामक हथियार के रूप में देख रहे हैं।

क्या है ये चीन की मिसाइल?

डीएफ-5बीजो एक इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल है। यह कई परमाणु वारहेड्स ले जाने में सक्षम है। प्रत्येक वारहेड की विस्फोटक शक्ति हिरोशिमा पर गिराए गए बम से 200 गुना से भी ज्यादा खतरनाक है। डीएफ-5बी 12,000 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है। इसका मतलब है कि अगर इसे बीजिंग से लॉन्च किया जाए, तो यह न्यूयॉर्क तक सिर्फ 30 मिनट में पहुंच सकता है। सोचकर ही डर लगता है कि इतने कम समय में एक पूरा शहर खत्म हो सकता है।इन वारहेड्स में 3 से 4 मेगाटन की शक्ति है। मेगाटन का मतलब है कि यह एक विशाल विस्फोट करेगा, जो एक पूरा शहर को मिटा सकता है। हिरोशिमा पर गिराया गया बम सिर्फ 15 किलोटन की शक्ति का था। उसने कितना नुकसान पहुंचाया, यह हम सभी जानते हैं। छ्ष्न-5क्र के वारहेड्स उससे 200 गुना ज्यादा शक्तिशाली हैं।

पुरानी तकनीक, नया संदेश

डीएफ-5बीकोई नई तकनीक नहीं है। यह कई सालों से चीन के पास है। लेकिन अब चीन इसे दुनिया के सामने लाकर यह संदेश दे रहा है कि वह अभी भी बहुत मजबूत है। अपनी सैन्य शक्ति को दिखाना चाहता है। इस मिसाइल के पेश होने से दुनिया भर में चिंता बढ़ गई है।

ट्रंप की भी नहीं सुन रहे पुतिन, चेतावनी के बाद भी तीसरे दिन कर दिया यूक्रेन पर बड़ा हमला

इस हमले में भारी नुकसान हुआ है... करीब एक दर्जन लोग घायल हुए हैं

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आजकल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भी सुनने को तैयार नहीं हैं। ट्रंप के लाख कहने पर भी उन्होंने यूक्रेन पर बड़ा हमला कर दिया। इस हमले में भारी नुकसान हुआ है। यूक्रेन के खारकीव शहर में एक मैटरनिटी हॉस्पिटल पर रूसी हमले के बाद उन्होंने कहा, आप कुछ होता देखेंगे। ट्रंप का यह बयान उस वक्त आया जब वे टेक्सास में बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने व्हाइट हाउस से हेलीकॉप्टर पर सवार हो रहे थे। इस हमले में करीब एक दर्जन लोग घायल हुए, जिनमें कई महिलाएं और नवजात शिशु शामिल हैं।

इंसानियत को झकझोर देने वाले इस हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति का गुस्सा छलक पड़ा। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'मैं रूस से नाराज हूं, लेकिन देखना होगा कि अगले कुछ हफ्तों में क्या होता है। इससे पहले ट्रंप ने संकेत दिया था कि सोमवार को रूस को लेकर वे 'एक बड़ा बयान' जारी करेंगे। यह बयान हथियारों की सप्लाई फिर से शुरू करने के फैसले के बाद आएगा, जिसे पेंटागन ने कुछ समय के लिए ऑडिट के नाम पर रोका था। ट्रंप ने कहा, 'मैं रूस से निराश हूं, लेकिन अभी मैं ज्यादा नहीं कहूंगा। सोमवार को मेरी तरफ से रूस पर एक बड़ा बयान आएगा। रूस की ओर से सीजफायर डील पर सहमति न होना ट्रंप को नाराज कर रहा है। इससे पहले यूक्रेन के एक खुफिया अधिकारी की हत्या भी हुई थी।

12 जुलाई की सुबह रूस ने लगातार तीसरी रात पश्चिमी यूक्रेन पर भीषण ड्रोन और मिसाइल हमले किए। लविव, चेर्निव्त्सी और लुत्स्क जैसे शहरों में तड़के 3 से 4¬45 बजे के बीच कई धमाकों की आवाजें सुनी गईं। लविव में एक इमारत की छत पर आग लग गई और एक किंडरगार्टन, वाहन और कई रिहायशी इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं, हालांकि किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई। लुत्स्क में भी एक घर और वाहन को नुकसान पहुंचा। यूक्रेनी वायुसेना ने चेतावनी दी कि पश्चिमी सीमाई इलाकों की ओर दर्जनों आत्मघाती ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलें बढ़ रही हैं। पोलैंड ने भी अपने फाइटर जेट अलर्ट पर रखे। यह हमला 9 और 10 जुलाई को हुए रिकॉर्ड स्तर के ड्रोन हमलों के ठीक बाद हुआ है, जिसमें लुत्स्क को अब तक की सबसे भारी बमबारी झेलनी पड़ी थी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस हर दिन 1,000 ड्रोन हमले की योजना बना रहा है। हालांकि अब तक ट्रंप प्रशासन यूक्रेन पर दबाव बनाता रहा कि वह युद्ध समाप्त करने के लिए कुछ रियायतें दे, लेकिन रूस की हठ ने अब अमेरिका के तेवर बदल दिए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मलेशिया में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात के बाद कहा, 'रूस की तरफ से एक नया और अलग प्रस्ताव सामने आया है, जिसे मैं ट्रंप को बताऊंगा।' उन्होंने प्रस्ताव के बारे में और खुलासा नहीं किया, लेकिन यह संकेत जरूर दिया कि अमेरिका की प्रतिक्रिया अब नई दिशा में जा सकती है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी तनाव के बीच अमेरिकी वायुसेना का एक जासूसी विमान 'रिवेट जॉइंट' यूरोप में फिर से सक्रिय हो गया है। कॉल साइन से पहचाना गया यह विमान ब्रिटेन से उड़ान भरते हुए फिनलैंड की ओर गया और बाल्टिक देशों- एस्तोनिया, लातविया और लिथुआनिया के रास्ते कलिनिनग्राद के नजदीक से होकर गुजरा। यह वही रूसी क्षेत्र है जो पोलैंड और लिथुआनिया के बीच स्थित है और हमेशा से नाटो की निगरानी में रहा है।

कपिल शर्मा को धमकी कहा- मोदी का हिंदुत्व कनाडा में नहीं चलने देंगे

एजेंसी ■ ओट्टावा

कनाडा में टीवी एक्टर कपिल शर्मा के कैफे पर हुई फायरिंग के बाद अब एक वीडियो जारी कर उन्हे जान से मारने की धमकी दी गई है। वीडियो में कहा गया है कि कपिल शर्मा पीएम नरेंद्र मोदी की हिंदुत्व वाली विचारधारा यहां फैलाना चाहते हैं जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस ने कपिल को धमकी दी है। आतंकी पन्नू के इस संगठन ने एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में कहा गया है कि कपिल शर्मा कनाडा में निवेश करके पीएम मोदी की हिंदुत्व की आइडियोलॉजी चलाते हैं। गौरतलब है कि बुधवार को कपिल शर्मा के कनाडा स्थित कैप्स कैफे पर फायरिंग हुई थी। यह वीडियो आतंकी संगठन एसजेएफ के चीफ गुरपतवंत सिंह पन्नू ने जारी किया है।

वीडियो में पन्नू कह रहा है कि कपिल शर्मा और सभी हिंदू ब्रांड इन्वेस्टर, कनाडा तुम्हारा प्लेग्राउंड नहीं है। अपनी ब्लड मनी लेकर वापस भारत चले जाओ। उसने आगे लिखा है कि कनाडा बिजनेस की आड़ में हिंदुत्व की हिंसक आइडियोलॉजी को अपनी जमीन पर पनपने नहीं देगा। इस वीडियो में

एसजेएफ का सर्वेसर्वा पन्नू कपिल शर्मा पर सवाल भी उठाता है। वह कहता है कि कपिल शर्मा मेरा भारत महान के नारे लगाता है। इसके अलावा वह खुलकर मोदी के हिन्दुत्व का प्रचार करता है। लेकिन वह मोदी के भारत में निवेश करने की जगह कनाडा में निवेश कर रहा है। गौरलतब है कि एनआई की मोस्ट वांटेड लिस्ट में शामिल हरजीत सिंह लाडी ने अपने साथी के साथ कपिल के कैफे पर गोलियां चलाई थीं। लाडी बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़ा हुआ है। इस गोलीबारी की वजह उसने कपिल शर्मा शो पर निहंग सिखों का मजाक उड़ाया जाना बताया है। साथ ही यह भी कहाकि कॉमेडी की आड़ में धर्म का मजाक उड़ाया जाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, घटना के बाद कैफे की तरफ से इंस्टाग्राम पर पोस्ट लिखी गई।

एनाकोंडा और अजगर नहीं दुनिया का सबसे बड़ा सांप है टाइटेनोबोआ

कोलंबिया में मिले अवशेष, 14 फीट लंबा और एक टन था वजन

एजेंसी ■ बोगोटा

हमें आज तक यही पता है कि एनाकोंडा और अजगर दुनिया के सबसे बड़े सांप हैं, लेकिन कोलंबिया में वैज्ञानिकों ने एक ऐसे सांप के अवशेष खोजे हैं जिनका आकार कुल 14 मीटर लंबा बताया जा रहा है। इतना ही नहीं, इस सांप का वजन एक टन होने की बात सामने आई है। इस सांप को टाइटेनोबोआ सेरेजोनेसिस नाम दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों का कहना है कि टाइटेनोबोआ करीब 58 मिलियन यानी 500 करोड़ से भी ज?यादा साल पहले पृथ?वी पर पाए जाते थे। इस सांप को अबतक पृथ?वी का सबसे बड़ा और सबसे भारी सांप बताया जा रहा है। टाइटेनोबोआ को कोलंबिया के सेरेजोन कोयला खदान में पाया गया। दावा किया जा रहा है कि ये

सांप पैलियोसीन युग के दौरान था। यह पृथ्वी के इतिहास का एक अहम समय था। यह काल पृथ?वी से डायनासोर के विलुप्त होने के बाद आया था। टाइटेनोबोआ को इसका विशाल आकार अलग बनाता है, साथ ही उस जमाने में सांपों के जीवित रहने के लिए उपलब?ध वातावरण की भी जानकारी देती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह प्रजाति 2009 तक विज्ञान के लिए अज्ञात थी। तब उत्तरी कोलंबिया में सेरेजोन कोयला खदान में जीवाश्मों का पता लगाया गया था। इस खोज ने सरीसृपों के विकास और बड़े पैमाने पर विलुप्त होने के बाद उभरे ट्रॉपिकल वेदर पर हमारी समझ को बदल दिया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि टाइटेनोबोआ सांप 58 से 60 मिलियन साल पहले पृथ्वी पर घूमा करता था। तब डायनासोर के लुप्त होने के बाद। इसके अवशेष उस जगह पर पाए गए जो कभी गीला और दलदली जगह थी।

म्यांमार में हमलाः गांव से बौद्ध मठ में शरण लेने आए लोगों पर हवाई हमला 23 की मौत

नेपीडॉ। म्यांमार के सागाइंग क्षेत्र में एक बौद्ध मठ पर गुरुवार देर रात हुए हवाई हमले में 23 लोगों की मौत हो गई। यह हमला लिन ता लु गांव के मठ में हुआ, जहां 150 से ज्यादा लोग आसपास के गांवों से शरण लेने आए थे।

हमले में 30 लोग घायल हुए, जिनमें 10 की हालत गंभीर है। मरने वालों में चार बच्चे भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक जेट लड़ाकू विमान ने रात लगभग 1 बज गांव के मठ पर बम गिराए। हालांकि, ये हमला किसने किया इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। सेना ने घटना को लेकर अब तक कुछ नही कहा है। म्यांमार के स्वतंत्र डेमोक्रेटिक वॉयस ऑफ बर्मा ऑनलाइन मीडिया के मुताबिक मृतकों की संख्या 30 तक हो सकती है। म्यांमार में 2021 से गृहयुद्ध चल रहा है, जो फरवरी 2021 में सेना द्वारा तख्तापलट के बाद शुरू हुआ। सेना ने चुनी हुई सरकार, जिसका नेतृत्व आंग सान सू की कर रही थीं, को हटा दिया।

चीनी लड़ाकू विमान जापान के टोली विमान के करीब से गुजरे

पुराने घावों को फिर ताजा कर रहा है चीन-जापान

एजेंसी ■ टोक्यो

1937 में चीन के बीजिंग शहर के बाहरी इलाके में एक छोटा सा पुल 'मार्को पोलो ब्रिज' था वहां एक झड़प ने ऐसी चिंगारी पैदा की, जिसने पूरे एशिया को जंग में झोंक दिया। जापानी सेना ने चीन में घुसपैठ शुरू की और देखते ही देखते शंघाई से लेकर नानजिंग तक शहर तबाह होते चले गए। करीब नौ दशक बाद, 2025 में वही तनाव अब समुद्र और आसमान की सीमाओं में मंडराने लगा है। गोलियां नहीं चलीं, लेकिन रडार और टोही विमानों के बीच जो हो रहा है, वह पुराने घावों की याद दिला देता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस सप्ताह जापान ने चीन से कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि उसके लड़ाकू विमान लगातार जापानी टोही विमानों के बेहद करीब से उड़ान भर रहे हैं। जापान के रक्षा

मंत्रालय के मुताबिक चीनी 'जेएच-7' बमवर्षक विमान ने दो दिन लगातार जापानी 'वॉयएस-11ईबी' इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस विमान के पास से उड़ान भरी। एक बार तो यह 30 मीटर की दूरी से गुजरा। यह घटना जापानी हवाई क्षेत्र में नहीं हुई, लेकिन इसके कूटनीतिक मायने गहरे का संदेश दे रहे हैं। जापान के उप विदेश मंत्री ने टोक्यो में चीन के राजदूत को तलब कर कड़ी आपत्ति जताई। जापान ने चेतावनी दी है कि यह हरकतें टकराव को न्योता दे सकती हैं। जापान ने कहा है कि चीन तय करे कि ऐसा दोबारा न हो। चीन ने इस बार कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया, लेकिन कुछ हफ्ते पहले वह खुद जापान पर अपने विमानों के पास उड़ान भरने और निगरानी करने का आरोप लगा चुका है। जापान और चीन के बीच बढ़ते तनाव को महज 'रक्षा गतिविधि' कहकर नहीं टाला जा सकता।

जीवनशैली | अमेरिकी साइकोलॉजिकल एसोसिएशन की नई रिपोर्ट में हुआ खुलासा

किसी इंसान के व्यक्तित्व में ठोसपन लाने के लिए जरूरी होते हैं ये 6 गुण

एजेंसी ■ वाशिंगटन

क्या आपने कभी सोचा है कि किन गुणों की वजह से कोई व्यक्ति आत्मविश्वासी, प्रभावशाली और मानसिक रूप से संतुलित नजर आता है? अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन (एपीए) ने हाल ही में एक अध्ययन में ऐसे 6 प्रमुख गुणों की पहचान की है जो किसी व्यक्ति के ठोस यानी स्थिर, सशक्त और संतुलित व्यक्तित्व में योगदान करते हैं।

इन गुणों को एपीए ने सफलता और मानसिक भलाई के लिए जरूरी करार दिया है। रिपोर्ट के

अनुसार, जो व्यक्ति इन गुणों को विकसित करता है, वह न केवल खुद को बेहतर तरीके से समझता है, बल्कि समाज और संबंधों में भी सकारात्मक भूमिका निभाता है।

ऐसे ही 6 अहम गुणों में ...

आत्म-जागरूकता : व्यक्ति को अपनी भावनाओं, विचारों और व्यवहारों को पहचानने और समझने की क्षमता। यह मानसिक संतुलन और आत्म-नियंत्रण की पहली सीढ़ी है।

आत्म-स्वीकृति: अपनी खूबियों और कमियों को खुले दिल से स्वीकार करना। यह गुण आत्म-सम्मान को मजबूत बनाता है।

प्रामाणिकता: दूसरों के सामने ईमानदारी और सच्चाई से पेश आना। यह व्यक्तिगत और सामाजिक संबंधों में पारदर्शिता लाता है।

संबंधपरकता: दूसरों के साथ सार्थक और गहरे संबंध बनाना तथा उन्हें बनाए रखना। यह व्यक्ति को सामाजिक रूप से जुड़ा हुआ और संतुलित बनाता है।

उद्देश्य: जीवन में एक साफ लक्ष्य और दिशा तय करना। उद्देश्य व्यक्ति को मोटिवेशन और आशा से भरता है।

विकास: लगातार सीखते रहने और खुद को बेहतर बनाने की ललक। यह गुण जीवन के हर मोड़ पर व्यक्ति को लचीलापन और नवीनता प्रदान करता है।

क्यों जरूरी हैं ये गुण?

एपीए का मानना है कि इन गुणों के समुचित विकास से व्यक्ति अधिक आत्मविश्वासी, संतुलित और खुशहाल जीवन जी सकता है। बदलते सामाजिक, पारिवारिक और कार्यस्थल के दबावों के बीच ये गुण मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में मददगार साबित होते हैं। विशेषज्ञों की मानें तो इन गुणों को बचपन से ही शिक्षा और पारिवारिक वातावरण में शामिल किया जाना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियां खुशहाली के साथ ही अधिक संवेदनशील, समझदार और जिम्मेदार बन सकें।

पाकिस्तान में हो रहे ताबड़तोड़ हमले, नाकामी छिपाने भारत के सिर फोड़ रहा ठीकरा

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने पाकिस्तान सेना की नाक में दम कर रखा है। पाकिस्तान ताबड़तोड़ हमलों से थर्रा उठा है। मंगलवार देर रात बीएलएफ ने बलूचिस्तान के कई जिलों- पंजगुर, सुराब, केच और खरान में 17 से ज्यादा टार्गेटेड हमले किए। इन हमलों को बीएलएफ ने 'ऑपरेशन बाम ' का नाम दिया, जिसने पाकिस्तानी सेना और प्रशासन को हिलाकर रख दिया। सैन्य चौकियां तबाह हुईं, संचार लाइनें ठप हो गईं और सरकारी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। लेकिन अपनी नाकामी छिपाने के लिए पाकिस्तान ने बेशर्मी से इन हमलों का ठीकरा भारत पर फोड़ने की कोशिश की। पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और उनके प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने बिना किसी सबूत के भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को इस मामले में घसीटा है। पाकिस्तानी सेना के प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने दावा किया कि भारत प्रॉक्सी के जरिए पाकिस्तान को अस्थिर करने में लगा है।

सत्कर्मों से जोड़ने वाला सद्गुरु ही ईश्वर से मिला सकता है - जगदगुरु डॉ वेदांती

दैनिक खबरों की रोशनी बृजेश राठौर गंजबासौदा। जीवन में सत्कर्मों से जोड़ने वाला सदगुरु ही हमें ईश्वर से मिला सकता है। हमारे जीवन में जब सत्कर्म जुड़ेंगे तो हमारा चित, चरित्र निर्मल होगा और हम ईश्वर की भक्ति पाने के अधिकारी बन जाएंगे है यह तभी संभव है जब हम सदगुरु द्वारा बताए गए मार्ग, उपदेशों पर चलकर उनका जीवन में अनुसरण करें। गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व हमें भारतीय संस्कृति की उस महान परंपरा की याद दिलाता है, जिसमें गुरु को ईश्वर से भी ऊँचा स्थान दिया गया है। यह बात जीवाजीपुर स्थित बाबा जगनाथदास संस्कृत विद्यालय वेदांत आश्रम में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित प्रवचन श्रृंखला में जगदगुरु डॉ राम कमलाचार्य वेदांती जी ने व्यक्त किए।

जगद्गुरु से दीक्षा लेने बरसते पानी में आश्रम पहुंचे सैकड़ों भक्त

रविवार को वेदांत आश्रम में आयोजित हुए गुरु पूर्णिमा महोत्सव में जगदगुरु डॉ वेदांती जी द्वारा सैकड़ों भक्तों को दीक्षा दी गई। बरसते पानी में भी जगदग्गुरू से दीक्षा लेने के लिए आश्रम में भक्तों का तांता लगा रहा। क्षेत्र के अलावा अन्य शहरों से भी आए भक्त एवं पूर्व से दीक्षित हुए शिष्यों ने डॉ वेदांती जी का गुरु पूजन कर उनसे आशीर्वाद लिया। दीक्षा ले रहे नए शिष्यों को डॉ वेदांती जी ने गुरु मंत्र देकर प्रतिदिन माला करने के साथ गुरु निष्ठा रखते हुए सत्कर्मों पर चलकर जीवन जीने की प्रेरणा दी। आश्रम के महंत हरिहरदास जी महाराज ने बताया कि सोमवार को भी जगदगुरु डॉ वेदांती जी द्वारा दीक्षा दी जाएगी और दोपहर 2 बजे से उनके प्रवचन होंगे। वेदांत आश्रम के संस्थापक और नगर के संत रामानंदाचार्य जगद्गुरु डॉ वेदांती जी जगतगुरु बनने के उपरांत नगर में उनका प्रथम आगमन हुआ है। क्षेत्र वासियों द्वारा मानस भवन में उनका अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा का दिन हमें यह भी सिखाता है कि गुरु का अर्थ केवल वह व्यक्ति नहीं, जो हमें स्कूल या कॉलेज में पढ़ाता है। गुरु कोई भी हो सकता है हमारे माता-पिता, जो हमें जीवन का पहला पाठ पढ़ाते हैं; हमारे मित्र, जो हमें सही राह दिखाते हैं; या वह प्रकृति, जो हमें हर पल कुछ नया सिखाती है। गुरु वह है, जो हमें प्रेरणा देता है, जो हमें अपने अंदर की कमियों को सुधारने के लिए प्रोत्साहित करता है और जो हमें हमेशा सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर हमें अपने गुरुओं के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने का संकल्प लेना चाहिए। हमें उनके द्वारा दिए गए ज्ञान और मार्गदर्शन को अपने जीवन में उतारना चाहिए। उनके उपदेशों को केवल सुनना ही काफी नहीं, बल्कि उन्हें अपने जीवन में लागू करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह दिन हमें यह भी याद दिलाता है कि हमें न केवल अपने गुरुओं का सम्मान करना चाहिए, बल्कि उनके दिखाए हुए मार्ग पर चलकर समाज और देश के लिए कुछ अच्छा करना चाहिए। संस्कृत में 'गुरु' का अर्थ होता है अंधकार को दूर करने वाला। गुरु केवल एक शिक्षक नहीं होता, बल्कि हमारे जीवन का मार्गदर्शक भी होता है। ज्ञान और बुद्धि देने से लेकर अपने शिष्यों में अच्छे संस्कार और मूल्य स्थापित करने तक, गुरु हमारे विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बरसात आते ही कैद हो जाते हैं 2000 लोग नदी पार करना मतलब मौत को न्यौता,देना आज़ादी के 77 साल बाद भी नहीं बना पुल

रायसेन से कलीम खान की रिपोर्ट रायसेन (सिलवानी)। हर साल बरसात के मौसम में सिलवानी तहसील का नक्शा दो हिस्सों में बंट जाता है एक तरफ नगर की हलचल और दूसरी तरफ जमुनियापुरा व बगियापुरा जैसे मोहल्ले, जहां करीब 2000 लोग बेगम नदी के पार रहते हैं। लेकिन जब यह नदी उफान पर होती है, तो इन मोहल्लों के लोग अपने ही घरों में कैद होकर रह जाते हैं। इस दौरान स्कूल, अस्पताल, बैंक, थाना और मंदिर जैसे जरूरी स्थान सिर्फ एक नदी की वजह से पहुंच से बाहर हो जाते हैं।

20 साल पुराना कच्चा रपटा हर साल धोखा देता है

आज़ादी के बाद से अब तक बेगम नदी पर एक भी पक्का पुल नहीं बन पाया है। करीब दो दशक पहले ग्राम पंचायत ने एक कच्चा रपटा (अस्थायी पुल) तैयार किया था, लेकिन वह अब जगह-जगह से टूट चुका है। बरसात में यह रपटा पूरी तरह बेकार साबित होता है, और नदी का उफान लोगों के जीवन को ठप कर देता है। बारिश आते ही स्कूल जाना बच्चों के लिए सपना बन जाता है। बीमारों को अस्पताल तक ले जाना मौत के मुंह में धकेलने जैसा है। कई बार परिजनों को मजबूरी में पानी उतरने का इंतजार करना पड़ता है।

धार्मिक आस्था भी पानी में बह जाती है

बेगम नदी के किनारे स्थित सैकड़ों साल पुराना श्रीराम मंदिर भी इस संकट का शिकार हो चुका है। बरसात में मंदिर सुनसान हो जाता है। श्रद्धालु नहीं पहुंच पाते और धार्मिक आयोजन बंद हो जाते हैं। ग्रामीण दीपक यादव, जालम रेकवार, अनिकेत यादव, मोवे यादव, शमीम काजी सहित कई लोग वर्षों से पक्के पुल की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। प्रशासन को किस हादसे का इंतजार है यह सवाल अब हर वार्डवासी की जुबान पर है। लोग कहते हैं कि जब प्रशासन इस स्थायी संकट से वाकिफ है, तो अब तक कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाया गया?

बुनियादी हक से वंचित हैं लोग, लोकतंत्र में यह कैसी व्यवस्था

77 साल की आज़ादी के बाद भी जब एक तहसील मुख्यालय के दो मोहल्ले सिर्फ एक नदी की वजह से अलग-थलग पड़ जाएं, तो यह सीधा प्रशासनिक निकम्मेपन की तस्वीर है। क्या यह जनता के बुनियादी हक की अनदेखी नहीं है

इनका कहना है...

रेशु विभोर जैन, नगर परिषद अध्यक्ष सिलवानी यह बहुत गंभीर समस्या है। बेगम नदी पर बने रपटा के जीर्णोद्धार का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा, जिससे वार्डवासियों और श्रद्धालुओं को परेशानी न हो।

वार्डवासियों की आवाज़

मोहम्मद अफजल खान हर साल डर के साए में जीते हैं। न स्कूल जा सकते हैं, न डॉक्टर के पास।

सलीम भाई

बच्चों की पढ़ाई रुक जाती है, मरीज घर में तड़पते हैं। कोई सुनने वाला नहीं।

नहीम मुद्दीन काजी

बरसात शुरू होते ही हम अपने ही देश में बेगाने हो जाते हैं। पुल की मांग पर सिर्फ आश्वासन मिलते हैं।

विशेष आग्रह

प्रशासन को चाहिए कि वह अब सिर्फ प्रस्तावों और कागजी बातों से आगे बढ़कर ज़मीन पर काम करे। क्योंकि बरसात हर साल आती है, और हर साल ये 2000 लोग %कैद% हो जाते हैं।

विकासखंड हर्रई के धनोरा, भुमका क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसियों ने भाजपा ज्वाइन की

हर्रई अमरवाड़ा दैनिक अखबार खबरो की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ प्रियंक सोनी के साथ अमित पाठक की रिपोर्ट। हर्रई छिंदवाड़ा जिले के विकासखंड हर्रई के अंतर्गत धनोरा भुमका के वरिष्ठ कांग्रेसी सुखलाल ताराम, रमेश यहके, आसाराम धुर्वे भुमका, जयकुमार गुटेरा, ने सुनील नेमा एवं राजेश सूर्यवंशी के नेतृत्व में आज राजमहल पहुंचकरअमरवाड़ा विधायक राजा कमलेश शाह के सामने भाजपा ज्वाइन की इस अवसर पर जिला महामंत्री भाजपा मनोज नेमा एवं भाजपा वरिष्ठ नेता शंभू दयाल साहू उपस्थित रहे।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 2025 का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

विदिशा/दैनिक अखबार खबरों की रोशनी ब्यूरो रिपोर्ट नसीम खान हिंदुस्तानी। भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा- 2025 का जिला स्तरीय वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह गायत्री शक्तिपीठ ट्रस्ट राजीव नगर विदिशा में रखा गया जिसमें मुख्य अतिथि श्री डॉक्टर संध्या पांडे प्राध्यापक भोपाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं कार्यक्रम में बच्चों को प्रेरित करने हेतु विशेष रूप से श्री कमल सिंह बागड़ी शिक्षा विभाग सहायक संचालक (कुरवाई) विदिशा श्री व्ही . के. जैन रिटायर्ड प्राचार्य श्री आर. पी . गुप्ता रिटायर्ड प्राचार्य श्रीमती हेमा सिंगल , श्री श्री राम कटियार मुख्य ट्रस्टी एवं श्रीमती सुषमा गोयल , श्रीमती सुमन श्रीवास्तव , श्री सौरभ गुप्ता श्री मुकेश श्रीवास्तव श्री सुनील कुमार सेन (कोषाध्यक्ष) शिक्षक विदिशा मुख्य रूप से उपस्थित रहे .....श्रीमती रश्मि पोरवाल संयोजक भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा जिला विदिशा ने कुशल संचालन किया ..... जिले से लगभग नौ हजार बच्चों ने भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में भाग लिया था ..... श्री मनमोहन विश्वकर्मा प्राचार्य विदिशा ने आभार व्यक्त किया उक्त परीक्षा में मेडिकल कॉलेज जिले के समस्त शासकीय / अ- शासकीय कॉलेज एवं जिले के शासकीय अशासकीय विद्यालयो के छात्राओं ने सहभागिता की थी..... आज जिला एवं तहसील स्तर पर परीक्षा में चयनित छात्र-छात्राओं को तिलक लगाकर .... पुष्प हार एवं फूल माला पहनाकर सम्मानित किया ..... तत्पश्चात पुरस्कार वितरण पुरस्कार वितरण किए गए ..... पुरस्कार वितरण के साथ-साथ चयनित सभी बच्चों को तुलसी एवं बेल पत्ती का पौधा एक पेड़ मां के नाम पर भेंट किए गए ..... एक पेड़ मां के नाम लगाने हेतु प्रदान किए गए साथ में आए हुए समस्त शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया एवं पेड़ भी सौंपे गए समस्त आगंतुको को सम्मान कर भोजन प्रसादी के बाद समापन हुआ .....श्रीमति रश्मि पोरवाल संयोजक

श्री सुनील कुमार सेन कोषाध्यक्ष

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा विदिशा !

विद्यार्थियों के लिए सरकार सभी सुविधाएँ उपलब्ध करायेगी - मंत्री डॉ. शाह

भोपाल। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने रविवार को खंडवा जिले के खालवा विकासखंड के ग्राम जामनी गुर्जर स्थित कन्या शिक्षा परिसर में छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मन लगाकर पढ़ाई करें, सरकार सभी सुविधाएँ उपलब्ध करायेगी। उन्होंने छात्राओं के साथ बैठकर भोजन किया और उनकी समस्याएँ सुनी। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि जिले के तीनों कन्या शिक्षा परिसरों में ब्लैक बोर्ड या ग्रीन बोर्ड के स्थान पर डिजिटल बोर्ड स्थापित कराए जाएंगे और

कन्या शिक्षा परिसरों में स्मार्ट क्लास की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि छात्राओं को रोजगार मूलक प्रशिक्षण दिलाया जाएगा, जिससे वह पढ़ाई के बाद स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर सकें और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि ग्राम आवलिया में संस्कृति व संस्कार का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कन्या शिक्षा परिसर के लिए बड़े वाहनों की व्यवस्था की जाएगी, जिससे छात्राओं को आसपास के दर्शनीय स्थल तथा उच्च शिक्षण संस्थानों का भ्रमण भी कराया जा सके। मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि जनजातीय वर्ग की छात्राओं की सुविधाओं के लिए शालिनी ऐप तैयार किया गया है, जिसमें छात्रावासों में प्रवेश या छात्रवृत्ति भुगतान जैसी सभी समस्याओं के निराकरण की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों को छात्रावास में प्रवेश नहीं मिल पाता है, उन्हें गांव से शहर जाकर पढ़ने के लिए कमरा किराए पर लेने के लिए सरकार आर्थिक मदद दे रही है। मंत्री डॉ. शाह ने सहायक आयुक्त को निर्देश दिए कि कन्या शिक्षा परिसर की छात्राओं को पॉलिटेक्निक कॉलेज और आईटीआई का भी भ्रमण कराया जाए, जिससे वे तकनीकी शिक्षा और रोजगार मूलक पाठ्यक्रम के बारे में जान सकें। उन्होंने कहा कि ग्राम सेल्दा में खेल प्रशिक्षण परिसर स्थापित किया जाएगा, जिसमें छात्राओं को उच्च स्तर की खेल सुविधाएं उपलब्ध होगी। यहां जनजातीय छात्राओं की खेल प्रतिभा को तराशा जाएगा। इस खेल परिसर में जनजातीय बहुल गांव की छात्राएं अपनी खेल प्रतिभा को और निखार सकेंगी। मंत्री डॉ. शाह ने इस अवसर पर छात्राओं से कहा कि अनुसूचित जनजाति वर्ग के प्रदेश के ऐसे आईएएस अधिकारी जो सरकारी छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर चुके हैं, उन्हें सरकारी छात्रावासों के भ्रमण पर भेजा जाएगा, जिससे वे छात्रवासों में रहने वाले विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित कर सकें। मंत्री डॉ. शाह ने अधीक्षक को निर्देश दिए कि छात्राओं की उनके माता-पिता से हर सप्ताह चर्चा कराते रहें, जिससे यदि कुछ समस्या या परेशानी हो तो वे अपने माता-पिता को बता सकें।

दैनिक
खबरों की रोशनी

भोपाल, सोमवार 14 जुलाई 2025

कोरोना काल से बंद ट्रेनो का पुनः संचालन

ट्रेनों के 6 फेरों की बढ़ोतरी, जिले वासियों की बड़ी सुविधा

emorandum

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
SOUTH EAST CENTRAL RAILWAY
Office of the Principal Chief Operations Manager, Bilaspur (C.G)

o. OPTG /SECR/NI & Block/107/25 — Date.11.07.2025

Sub:- Restoration of cancelled passenger trains

Ref: This office Memorandum No. OPTG /SECR/NI & Block/107/23. dated 05.10.2023

Please connect this office memorandum under reference. Now, keeping in view of publ... venience, the following passenger trains which have been cancelled for various safety relate... intenance works in SECR shall be RESTORED with effect from as per Journey Commencing ... as mentioned as under :-

TORATION OF PASSENGER TRAINS

Sl. No.	Train No.	From-To	Type	JCO Ex.	w.e.f.
1.	78805	Gondia-Katangi	DEMU Passenger	Gondia	15.07.25
2.	78806	Katangi-Gondia	DEMU Passenger	Katangi	15.07.25
3.	78809	Gondia-Katangi	DEMU Passenger	Gondia	15.07.25
4.	78810	Katangi-Gondia	DEMU Passenger	Katangi	16.07.25
5.	78813	Tumsar Road -Balaghat	DEMU Passenger	Tumsar Road	15.07.25
6.	78814	Balaghat-Tumsar Road	DEMU Passenger	Balaghat	15.07.25
7.	68721	Raipur-Dongargarh	MEMU Passenger	Raipur	15.07.25
8.	68723	Dongargarh - Gondia	MEMU Passenger	Dongargarh	15.07.25
9.	68724	Gondia-Raipur	MEMU Passenger	Gondia	16.07.25
10.	68746	Raipur- Gevra Road	MEMU Passenger	Raipur	16.07.25
11.	68745	Gevra Road-Raipur	MEMU Passenger	Gevra Road	17.07.25
12.	68729	Raipur-Dongargarh	MEMU Passenger	Raipur	15.07.25
13.	68730	Dongargarh-Raipur	MEMU Passenger	Dongargarh	16.07.25

All concerned should note and ensure action accordingly.
Wide publicity may be given to the public at large through press, media and notice board

(Ajay Francis Daniel)
Dy.COM (Chg & FOIS)
for CPTM/SECR

Memorandum is addressed to:-
M – SECR – BSP, R & NAG
DOM, Sr.DCM, Sr. DME, Sr.DEE (OP), Sr.DEE (G) – SECR / BSP, R, NAG

खबरों की रौशनी जिला ब्यूरो बालाघाट। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन बिलासपुर सलाहकार मोनिल जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि, बालाघाट से गोंदिया के परिचालन में आ रही कठिनाइयों से ज ?न रेल सलाहकार समिति की गत दिनों बैठक में महाप्रबंधक को अवगत कराया था। जिसमें गोंदिया में बन रहे निर्माणाधीन रेल ओवर रेल ब्रिज का सीआरएस जल्द कराने। बालाघाट से विगत समय से बंद पड़ी मेमो ट्रेनों का परिचालन पुनः शीघ्र किया जाए, जिस पर महाप्रबंधक ने कहा 4-5 जून तक सीआरएस कर लिया गया है। जिससे बालाघाट से गोंदिया ट्रेनों के परिचालन सुलभ हो जाएगा, साथ ही प्रतापबाग से गुदमा कार्ड बायपास लाइन का भी काम शुरू कर दिया गया है। इसी कड़ी में रेल्वे की एक नोटिफिकेशन जारी कर बालाघाट से प्रातः चलने वाली और गोंदिया से देर रात वाली ट्रेन पुनः चालू करने आदेशित किया। साथ ही तुमसर से बालाघाट भी चालू कर दिया गया है।

सुझाव पर अमल

बालाघाट- तुमसर ट्रेन को पुनः चालू कर दिया जा रहा है, जिसे आगामी समय में इतवारी तक टाइम टेबल में संशोधन कर बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। मोनिल जैन ने आगे बताया कि, मेरे और रेलवे जोन सलाहकार समिति सदस्यों के सुझाव पर महाप्रबंधक ने अमल करते हुए बालाघाट से इतवारी का भी टाइम टेबल में सुधार करने रेल बोर्ड को भेजा था। जिसका परिणाम ट्रेन प्रारंभ हो गई है। रेलवे जोन सलाहकार समिति सदस्य मोनिल जैन ने अपने सुझाव, बालाघाट जिले की समस्या पर सहानुभूति विचार करने के लिए रेलवे के उच्च अधिकारियों का आभार जताया है।

अन्य ट्रेनों की मिलेगी कनेक्टिविटी

उल्लेखनीय रहे, मोनिल जैन ने की मांग बालाघाट से गोंदिया चलने वाली नियमित मेमू ट्रेन क्रमांक 78809/ 78810/ 78805/ 78806) 78813/ 78814 बालाघाट तुमसर जो कोरोना काल से बंद है, जो कि बालाघाट से प्रातः निकलती है और रात्रि में वापस होती है। इस ट्रेन को पुनः प्रारंभ किया जाए। इन ट्रेनों से यात्रियों को महाराष्ट्र, वंदेभारत, गीतांजलि एवं भगत की कोठी जैसी अन्य ट्रेनों की कनेक्टिविटी मिलेगी।

उपयोगी साबित

तुमसर रोड से बालाघाट डेमू ट्रेन फिर से शुरू होगी। 15 महीने बाद मिली बड़ी खुशखबरी से 15 जुलाई 2025 से यह ट्रेन सेवा बहाल होगी। यह ट्रेन तुमसर रोड होते हुए गोबरवाही, तिरोड़ी, कटंगी और वारासिवनी से बालाघाट तक जाएगी। वापसी में यह ट्रेन बालाघाट से होकर तिरोड़ी, गोबरवाही होते हुए तुमसर रोड आएगी। यात्रियों की सुविधा के अनुसार ट्रेन सुबह 10 बजे तुमसर रोड से रवाना होकर दोपहर 1 बजे बालाघाट पहुंचेगी। वहीं वापसी की 78814 नंबर की डेमू ट्रेन दोपहर 3 बजे बालाघाट से चलकर शाम 5:30 बजे तुमसर रोड पहुंचेगी। यह सुविधा आमजन मानस के लिए उपयोगी साबित होगी। जिसको लेकर गणमान्य जनों ने रेलवे सलाहकार समिति सदस्य मोनिल जैन के उल्लेखनीय कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान (दिनांक 01.07.2025 से दिनांक 30.09.2025 तक विशेष अभियान) हेतु माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश, कोरबा / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कोरबा, जिला कोरबा (छ0ग0) द्वारा ली गई न्यायाधीशों के साथ द्वितीय बैठक

फैज मोहम्मद कोरबा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति के सहयोग से विशेष मध्यस्थता अभियान राष्ट्र के लिये मध्यस्थता अंतर्गत माननीय श्री एस. शर्मा, प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कोरबा, जिला कोरबा (छ0ग0) की अध्यक्षता में न्यायाधीशों के साथ ली गई द्वितीय बैठक दिनांक 10.07.2025 को जिला न्यायालय, कोरबा के विडियो कान्फ्रेसिंग कक्ष में 10:30 बजे आयोजित किया गया। माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष महोदय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा द्वारा कहा गया कि मध्यस्थता के लिए मामलों की श्रेणियों में वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावे, घरेलु हिंसा, चेक बाउंस मामले, वाणिज्यिक विवाद, सेवा विवाद के मामले, आपराधिक समझौता योग्य मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली मामले, विभाजन और बेदखली मामले, भूमि अधिग्रहण मामले आदि शामिल है। मध्यस्थता एक विवाद समाधान की सहज, त्वरित और विश्वासपूर्ण प्रक्रिया है । और यह न्यायालय से बाहर समाधान के प्रति जन जागरूकता हेतु एक प्रयास है। मध्यस्थता से लंबित मामलों की संख्या में कमी लाई जा सकती है और पक्षकारों को संतोषजनक समाधान प्राप्त हो सकता है। उक्त बैठक में मध्यस्थता केन्द्रों की भूमिका, प्रक्रिया और मामलों की पहचान से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा- निर्देश दिए गये। माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कोरबा, जिला कोरबा (छ0ग0) के द्वारा समस्त न्यायाधीशों को अधिक से अधिक प्रकरणों को चिंहाकित कर मध्यस्थता हेतु रिफर करने हेतु निर्देशित किया गया। तथा इस अभियान का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कर आमजनों तक सूचना पहुंचाने के संबंध में भी निर्देशित किया गया। उक्त बैठक में जिला न्यायालय कोरबा में पदस्थ समस्त मान. न्यायाधीशगण एवं सचिव,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा उपस्थित रहे।

वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र बच्चन राजस्थान में 'कबीर कोहिनूर अवार्ड' से सम्मानित

फैज मोहम्मद कोरबा। सामाजिक कार्यकर्ता व समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया के छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी विनोद सिन्हा ने गाजियाबाद के वरिष्ठ पत्रकार व समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र बच्चन को मिले कोहिनूर अवार्ड पर बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी है भारतीय कबीर मठ राजस्थान ने गाजियाबाद के वरिष्ठ पत्रकार 'भारत गौरव' जितेन्द्र बच्चन को अपने सर्वोच्च सम्मान 'कबीर कोहिनूर अवार्ड ङ्क 2025' से सम्मानित किया है। भव्य सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय श्रम तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री सत्यनारायण जटिया, विशिष्ट अतिथि स्वामी सम्पूर्णानंद महाराज, बौद्ध धर्म गुरु भंते प्रज्ञासार जी, जैन धर्म गुरु विवेक मुनि महाराज एवं मठ के श्री महंत भारत भूषण डॉ. नानक दास के करकमलों द्वारा यह सम्मान बच्चन को उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि श्री जटिया ने कहा कि किसी पत्रकार के साथ कबीर का नाम जुड़ना पत्रकारिता की निष्पक्षता का सबसे बड़ा प्रमाण है। जितेन्द्र बच्चन को हम लगभग 26 वर्ष से जानते हैं। हमेशा निष्पक्ष और खोजपरक खबरों को महत्व देते रहे हैं। कई समाचार पत्रों में बड़े पदों पर रहे लेकिन कभी अहम नहीं आया। आज हमें जितेन्द्र जी को कबीर सर्वोच्च सम्मान 'कोहिनूर अवार्ड' से सम्मानित करते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है। उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय कबीर मठ सदगुरु कबीर आश्रम सेवा संस्थान बड़ी खाटू जायल, नागौर, राजस्थान में आयोजित दो दिवसीय भव्य कार्यक्रम में देश की जानी-मानी 100 महानविभूतियों को उनकी उत्कृष्टता के लिए अलग-अलग विषयों में 'कबीर कोहिनूर' अवार्ड से सम्मानित किया गया। इससे पहले सतगुरु कबीर साहब की 628वीं जयंती पर बड़ी खाटू में भारत में प्रथम विश्व शांति कबीर कीर्ति स्तंभ का शिलान्यास किया गया। श्री महंत भारत भूषण डॉ. नानक दास के अुनसार, भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और संत कबीर की अमर वाणी को समर्पित 'कबीर कोहिनूर अवार्ड- 2025' का आयोजन इस बार वीरों की भूमि बड़ी खाटू (राजस्थान) में किया गया। यह सम्मान समारोह उन विशिष्ट अतिथियों को समर्पित रहा, जिन्होंने पत्रकारिता, साहित्य, कला, संगीत, समाजसेवा और शिक्षा के रचनात्मक कार्यों के माध्यम से समाज को नई दिशा दी है। उन्होंने बताया कि इससे पहले कबीर कोहिनूर अवार्ड अखिल भारतीय कबीर मठ, सतगुरु कबीर आश्रम सेवा संस्थान राजस्थान द्वारा देश की महानविभूतियों को दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में दिया जाता रहा है। इस बार यह राजस्थान में किया गया। कार्यक्रम में श्री कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम जी महाराज, हरियाणा के स्वामी सम्पूर्णानंद जी महाराज, स्वामी जितेंद्रनंद महाराज, महंत डॉ. रुपचंद दास जी महाराज, कमिश्नर डॉ. आरडी रेवाला, कई अन्य प्रशासनित अधिकारी व गणमान्य उपस्थित रहे।

जनपद मुख्यालय पोड़ी उपरोड़ा में महामहिम राज्यपाल रमेन डेका जी का जिला पंचायत अध्यक्ष डॉक्टर पवन कुमार जी ने स्वागत किया गया

जिला रिपोर्टर फैज मोहम्मद कोरबा। जनपद मुख्यालय पोड़ी उपरोड़ा में महामहिम राज्यपाल रमेन डेका जी का जिला पंचायत अध्यक्ष पवन कुमार जी का स्वागत करने का सौभाग्य मिला इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष माधुरी देवी जनपद उपाध्यक्ष प्रकाश चंद्र जाखड़ श्रीमती कमला किंदो शालिनी सिंह सरपंच प्रताप सिंह मरावी सरपंच संघ अध्यक्ष विष्णु यादव सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

धूमधाम से हुआ भोलेनाथ का विवाह जमकर झूमे भक्त भगवान श्री कृष्ण के जन्म की कथा आज

जनसेवा हिताय संगठन से सेवा भाव सीखना चाहिए (श्रीश्री राकेशानंद जी महाराज)

हर्राई छिंदवाड़ा दैनिक अखबार खबरो की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ प्रियंक सोनी के साथ अखिल सुर्यवंशी की रिपोर्ट। छिंदवाड़ा गुरु पूर्णिमा एवं श्रावण मास के पावन अवसर पर श्री श्री राकेशानंद जी महाराज पूज्य देवी सौम्या जी के पावन सानिध्य में प्रारंभ हुई श्रीमद् भागवत कथा एवं महारुद्राभिषेक महोत्सव में तृतीय दिवस धूमधाम से भगवान भोलेनाथ की बारात निकल गई जिसमें सुंदर झांकी द्वारा चित्रण किया गया भगवान भोलेनाथ मैया पार्वती के विवाह में श्रोता भी जमकर झूमे कथा में महाराज श्री ने बताया कि भगवान भोलेनाथ के साथ भूतों की टोली भी आई भोलेनाथ का सिंगर भस्मी सर्प की माला एवं नरमुंड से किया गया महाराज श्री ने कथा के अति रोचक प्रसंग से सब का मन मोह लिया संगठन प्रमुख हर्षा बानोदे जी ने बताया कि सभी महिलाएं आसमानी कलर के वस्त्र धारण कर आयोजन की शोभा और बढ़ा रही है अलग-अलग दिन अलग-अलग वस्त्र धारण करने का निर्णय समिति ने दिया है और प्रतिदिन अलग-अलग कलर के वस्त्र पहनकर सभी भक्त कथा में आ रहे हैं प्रथम दिन नगर में दिव्य कलश यात्रा निकाली गई जिसमें नगर की महिलाओं ने पीले वस्त्र धारण कर यात्रा की शोभा बढ़ाई यह यात्रा डबल शिव मंदिर रेलवे क्रॉसिंग से होते हुए कथा स्थल तक पहुंची जिसमें विशेष रूप से जन सेवा हिताय संगठन की पूरी टीम ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया नगर के सभी देवी देवताओं का आवाहन पूजन कर सभी का बंधन अभिनंदन कर कलश यात्रा पंडाल तक पहुंची जहां वीर शनि पिपलेश्वर धाम हनुमंत लाल जी महाराज के साथ भगवान शनि भोलेनाथ भी विराजमान है गीत संगीत नृत्य और सुंदर सजावट में सभी भक्तजनों का मन मोह लिया कथा के प्रथम दिन महाराज श्री ने कथा के महत्व को समझाया सच्चिदानंद की व्याख्या महाराज जी ने बड़े सुंदर ढंग से की उन्होंने बताया इस संसार में सत्य की वंदना जिसने कर लिया मानो उसने संसार के सभी देवों की वंदना कर लिया सत्य क्या है? महाराज जी ने बताया कि जो पहले था अभी है और हमेशा रहेगा वह सत्य है मकान दुकान पत्नी बच्चे यहां तक की यह शरीर पहले नहीं था और बाद में नहीं रहेगा सत्य केवल और केवल परमात्मा है इसलिए हमें परमात्मा को नहीं बोलना चाहिए नारद भक्ति संवाद भी महाराज जी ने बड़े ही रोचक ढंग से श्रवण कराया। तब पश्चात महाराज जी ने महाभारत की कथा श्रवण कराई जहां सो कैरव होने के बाद भी पांच पांडव का कुछ बिगाड़ नहीं पाए क्योंकि उनके साथ स्वयं भगवान श्री कृष्णा थे कथा में महाराज जी ने आगे कहा कि महाभारत के युद्ध में आधे मारे दुर्योधन के मित्र अश्वत्थामा ने पांडव पुत्रों का सर काट कर लाया उत्तर के गर्भ में पाल रहे राजा परीक्षित पर ब्रह्मास्त्र छोड़ दिया भगवान ने ब्रह्मास्त्र का पान किया है आगे कथा में महाराज श्री

बता रहे हैं कि 52 दिन बाणो की सैया पर सोए भीष्म पितामह जी महाराज से भेंट करने भगवान श्री कृष्णा अर्जुन भीम नकुल सहदेव युधिष्ठिर कुंती एवं पांचाली के साथ पहुंचे बड़े रोचक तथ्य से महाराज श्री नया कथा श्रवण कराई कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी अखिल सूर्यवंशी ने बताया कि कथा का विश्राम 17 जुलाई को विशाल भंडारा एवं गुरु दीक्षा के साथ संपन्न होगा यह आयोजन जनसेवा हिताय संगठन प्रमुख श्रीमती हर्षा बनोदे निशा यादव सुनीता शर्मा रूपा प्रधान दीक्षा बिसेन लक्ष्मी निमजे गुरुशरण कौर अरुणा पवार माधुरी तोमर लक्ष्मी यदुवंशी सुषमा मलाया निशा यादव प्रीति मिश्रा स्वाति मिश्रा अर्चना सूर्यवंशी अखिल सूर्यवंशी डॉ रामकुमार आमगोरिया कमलेश वर्मा गणेश वर्मा जी एवं समस्त नगर वासियों के सहयोग से किया जा रहा है श्रावण मास के पावन अवसर पर यह आयोजन इसलिए किया जा रहा है कि नगर में भोलेनाथ की कृपा बनी रहे नगर वासियों पर कभी कोई विपदा ना आए जनमानस के कल्याण के लिए यह आयोजन सभी की सुख शांति के लिए किया जा रहा है यह संगठन आए दिनों ऐसे धार्मिक आयोजन करते रहते हैं साथ ही गरीबों को अन्य वस्त्र देना स्कूली बच्चों को किताब की व्यवस्था मरीज को दवाई की व्यवस्था करने का कार्य भी जनसेवा हिताय संगठन द्वारा किया जाता है यह संगठन हमेशा समाज सेवा के लिए तत्पर है कथा के प्रथम दिन गुरु पूजन का आयोजन किया गया जिसमें संगठन के सभी पदाधिकारी में गुरु पूजन किया महाराज जी ने भी व्यासपीठ से गुरु की महिमा का बखान किया महाराज जी ने कहा कि माता-पिता एवं गुरु की आज्ञा हमेशा माननी चाहिए क्योंकि माता-पिता एवं गुरु ही ऐसे होते हैं जो अपने बच्चों का हमेशा भला ही चाहते हैं

कथा में आज भगवान श्री कृष्ण का प्रादुर्भाव (जन्म) होगा

पीले वस्त्र पहनकर सभी भक्त कथा में पधारेंगे जहां नंद घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की गूंज से सरा पंडाल भक्ति में माहौल में होगा लड्डू बांटे जाएंगे चॉकलेट का प्रसाद होगा और भगवान को पालना झुलाया जाएगा कथा में आसपास से शहर के सैकड़ो की संख्या भक्ति पहुंच रहे हैं एवं कथा का आनंद ले रहे हैं समिति ने सभी भक्तों की अधिक से अधिक संख्या में पधारने की अपील की है।

मैक्रो विज़न एकेडमी शिक्षा जगत में ही नहीं बल्कि स्पोर्ट्स में भी अपना परचम लहरा

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर। मैक्रो विज़न एकेडमी शिक्षा जगत में ही नहीं बल्कि स्पोर्ट्स में भी अपना परचम लहरा रहा है। टेबल टेनिस कोच संतोष राजपूत के प्रशिक्षण में कक्षा 12 के ओम सूर्यवंशी ने CBSE क्लस्टर टेबल टेनिस टूर्नामेंट (अंडर-19 व्यक्तिगत वर्ग) में कांस्य पदक जीत कर अपने स्कूल और परिवार का नाम रोशन किया है। यह टूर्नामेंट IES पब्लिक स्कूल, सीहोर द्वारा आयोजित किया गया था।

भाजपा कार्यालय पर अध्यक्ष कुश कल्याण बोर्ड नारायण सिंह कुशवाह का स्वागत

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर। अध्यक्ष कुश कल्याण बोर्ड नारायण सिंह कुशवाह,कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त बुरहानपुर क्षत्रिय काछी माली युवा मंच के तत्वावधान में मेधावी छात्र छात्राओं के सम्मान समारोह के लिए पधारे। इस दौरान वे जिला भाजपा कार्यालय पहुचे और स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई जी की समाधि स्थल पर पुष्पजली अर्पित की। तत्श्चात भाजपा कार्यालय पधारे जहां पर भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ.मनोज माने ने उनका पुष्पमाला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया। श्री कुशवाहा ने भी भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ.मनोज माने को मिठाई खिलाई एवं स्वगत किया। इस अवसर पर आपने भाजपा कार्यालय पर उपस्थित भाजपा के पदाधिकारी याकें एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। भाजपा के जिला सह मीडिया प्रभारी राकेश पूर्वे ने बताया कि इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष ईश्वर चौहान,पिछड़ा मोर्चा जिला अध्यक्ष सुनील वाद्ये,भाजपा जिला उपाध्यक्ष उमा कपूर,सुधा चौकसे,रवि गावड़े,मंडल अध्यक्ष चिंटू राठौर ,रवि काकड़े ,अक्षय मोरे,अनिल,शिवकुमार पासी,महेश चौहान आदि पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक मो. साबिर खान द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स 26, देशबंधु परिसर जोन-1 एमपी नगर से मुद्रित एवं मकान नंबर 2, गली नंबर 2 न्यू सब्जी मंडी सिलावट पुरा भोपाल (मध्य प्रदेश) से प्रकाशित!
प्रधान संपादक: मो. साबिर खान-मो नं. 9893887934 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) Email-khabrokiroshniroshni@gmail.com